मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शुक्रवार, 5 जून 2026
संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा 5 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 261, पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ जीवन का आधार है पर्यावर
तान्या मित्तल को अमीर पति नहीं चाहिए ◀◀ 6

राज्यसभा चुनाव 2026 : मुख्यमंत्री से बातचीत के बाद कांग्रेस ने प्रणव झा को बनाया प्रत्याशी

मल्लिकार्जुन खरगे के राजनीतिक सलाहकार हैं प्रणव

संवाददाता

रांची: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के राजनीतिक सलाहकार प्रणव झा राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांग्रेस आलाकमान की बातचीत के बाद गुरुवार देर रात उनके नाम की घोषणा की गई।

पार्टी ने कुल सात उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। इनमें कर्नाटक से मल्लिकार्जुन खरगे, पवन खेड़ा व मंसूरी अली खान, मध्यप्रदेश से मीनाक्षी नटराजन, राजस्थान से नीरज दांगी, तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती और झारखंड से प्रणव झा के नाम शामिल हैं। कहलगांव के अनादिपुर गांव के हैं रहने वाले प्रणव झा 2017 से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव हैं। 1991 में छात्र राजनीति शुरू करने वाले प्रणव बाद में युवा कांग्रेस से जुड़े। वे पार्टी के मीडिया सह प्रभारी भी रह चुके हैं। प्रणव मूल रूप से बिहार के कहलगांव के अनादिपुर गांव के हैं। उनके पिता बोकारो में कार्यरत थे। इसलिए उनकी पढ़ाई-लिखाई बोकारो से हुई। इसी बीच गुरुवार को पलामू के रवि यादव ने पहला पर्चा खरीदा है।महागठबंधन

एकजुट रहा तो कांग्रेस की हो सकती है जीतः महागठबंधन के पास कुल 56 विधायक हैं। राज्यसभा की एक सीट पर जीत के लिए 28 विधायकों की जरूरत है। कांग्रेस के पास 16 और झामुमो के पास 34 विधायक हैं। ऐसे में प्रथम वरीयता के 28 वोट के बाद झामुमो के छह वोट बचेंगे।

वहीं, राजद के चार और माले के दो विधायक हैं। यानी कुल मिलाकर 28 वोट होते हैं। अगर सभी एकजुट रहे तो कांग्रेस की जीत भी पक्की हो जाएगी। लेकिन अगर क्रॉस वोटिंग हुई तो मामला फंस सकता है। झामुमो ने दोहराया-निर्विरोध होगा चुनावः झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अब तक पत्ते नहीं खोले हैं। कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित करने के बाद झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा-मैं अपने बयान पर कायम हूं। यह चुनाव निर्विरोध होगा। वैसे प्रत्याशी को लेकर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ही कुछ बता सकते हैं। भाजपा को क्रॉस वोटिंग का भरोसाः भाजपा के पास कुल 21 विधायक हैं। सहयोगी दल आजसू, जदयू और लोजपा के एक-एक वोट को मिलाकर इनकी संख्या 24 होती है। जबकि जादुई आंकड़ा 28 तक पहुंचने में लिए उसे और चार वोट की जरूरत है। ऐसे में भाजपा इन चार वोटों के जुगाड़ में है। अगर क्रॉस वोटिंग हुई तो भाजपा को ?जीत मिल सकती है। ऐसे में वह महागठबंधन की कमजोर कड़ी को तोड़कर अपने पक्ष में करने का जुगत भिड़ाएगी। भाजपा ने पांच राज्यों में 11 प्रत्याशी उतारे, झारखंड से घोषणा नहींः भाजपा ने गुरुवार को राज्यसभा चुनाव के लिए पांच राज्यों के 11 उम्मीदवारों की घोषणा की है। लेकिन इनमें झारखंड से किसी का नाम नहीं है। पार्टी ने मध्यप्रदेश से राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग को उम्मीदवार बनाया है, जबकि राजस्थान से सतीश पूनिया को मैदान में उतारा है। सूची में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन का नाम शामिल नहीं है। दोनों नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को खत्म हो रहा है। बिट्टू फिलहाल राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं, जबकि जॉर्ज कुरियन मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं।

जमानत पर बाहर आते ही गिरफ्तार हुए चार आरोपी

पहले हत्याकांड अब सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में गए जेल

गिरिडीहः गोलीबारी और हत्याकांड के गंभीर मामले में जेल में बंद चार आरोपियों को जमानत मिलते ही फिर से गिरफ्तारी हो गई। इस बार चारों को एक दिन हुए दूसरे एफआईआर में पकड़ा गया है। गिरफ्तारी केंद्रीय कारा से बाहर आते ही कर ली गई। जिनकी गिरफ्तारी हुई है, उनमें अमित विश्वकर्मा, किशोर कुमार, मंजीत पासवान और आकाश हांडी शामिल हैं। गिरफ्तारी की पुष्टि पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने की है।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, नगर निकाय के मतदान के बाद वार्ड नंबर 18 के आजाद नगर के पास दो पक्ष में झड़प हुई थी। यहां गोलीबारी भी चली और एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस मामले को लेकर पूर्व वार्ड पार्षद शिवम श्रीवास्तव समेत कइयों के खिलाफ पचम्बा थाना कांड संख्या 16/26 अंकित किया गया।

मामले में शिवम के साथ अमित विश्वकर्मा, किशोर कुमार, मंजीत पासवान और आकाश हांडी भी जेल गए। इस बीच अमित, किशोर, मंजीत और आकाश को उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई। गुरुवार की देर शाम को सभी जेल से बाहर निकले। इनके बाहर निकलते ही फिर से पचम्बा पुलिस पहुंच गई। इस बार इन चारों को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया कि चारों को सरकारी कार्य में बाधा और पथराव के मामले में दर्ज कांड संख्या 15/26 में गिरफ्तार किया गया।

परिजनों ने किया विरोधः इधर, इस गिरफ्तारी का विरोध परिजनों ने किया है। परिजन कारा के बाहर ही विरोध करने लगे। परिजनों ने कहा कि जब चारों जेल में थे तो उसी वक्त एसआई को इन्हें रिमांड में ले लेना चाहिए

पुतिन का बड़ा बयान : भारत पर अमेरिकी दबाव बेअसर, पुतिन ने ट्रंप को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली/मॉस्को : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की विदेश नीति की सराहना करते हुए कहा है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेता है और रूस के साथ उसके संबंधों पर किसी भी बाहरी दबाव का असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने भारत को रूस का विश्वसनीय और महत्वपूर्ण साझेदार बताया। पुतिन ने कहा कि भारत अन्य देशों के साथ अपने संबंध किस प्रकार विकसित करता है, इसका रूस-भारत संबंधों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। उनके अनुसार, भारत स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करता है दौर अपने हितों को प्राथमिकता देता है। भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस को इससे कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत उन सभी देशों के साथ संबंध विकसित कर रहा है जिन्हें वह अपने राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण मानता है, और रूस इसका सम्मान करता है। पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर कथित दबाव के संदर्भ में पुतिन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह समझ चुका है कि भारत जैसे बड़े और प्रभावशाली देश पर दबाव बनाने के प्रयास अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए लाभकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक महान राष्ट्र और मजबूत लोकतंत्र है। रूस उसे एक भरोसेमंद साझेदार मानता है और भविष्य में दोनों देशों के संबंधों के और अधिक मजबूत होने की उम्मीद करता है। पुतिन का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका रूस से तेल खरीद से संबंधित कुछ व्यवस्थाओं और छूटों की समीक्षा कर रहा है। हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा था कि पश्चिम एशिया में संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित व्यवधानों के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखने के लिए कुछ अस्थायी व्यवस्थाएं लागू की गई थीं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रभात फेरी, पौधरोपण शपथ ग्रहण व सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता

चतराः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में आज तड़के चतरा जिला मुख्यालय में विविध जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवनशैली के प्रति आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से जतराहीबाग चौक से इक्को पार्क चतरा तक भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद, पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी, उत्तरी वन प्रमंडल पदाधिकारी राहुल मीणा, दक्षिणी वन प्रमंडल पदाधिकारी मुकेश कुमार, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री सन्नी वर्धन सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। प्रभात फेरी के इक्को पार्क पहुंचने के उपरांत अतिथियों एवं प्रतिभागियों द्वारा पौधारोपण किया गया। इसके पश्चात पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन, जैव विविधता के संरक्षण तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण के प्रति सभी को सामूहिक शपथ दिलाई गई। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने तथा प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में पर्यावरण संरक्षण, वन एवं वन्यजीव संरक्षण तथा प्रकृति संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पुरैनी (मयूरहण्ड) के प्रधानाध्यापक विकास कुमार सिंह को विद्यालय परिसर में वृक्षों पर बारकोड आधारित प्रणाली विकसित कर पर्यावरण शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की अभिनव पहल के लिए सम्मानित किया गया। उनके इस नवाचार के माध्यम से विद्यार्थी एवं आमजन वृक्षों की प्रजाति, आयु, उपयोगिता, औषधीय गुणों एवं पर्यावरणीय महत्व से संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर रहे हैं। इस पहल को पर्यावरण शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय प्रयास बताया गया।समारोह के दौरान ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में बालेश्वर महतो ने प्रथम, आयुष कुमार सिंह ने द्वितीय तथा शेरा कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।पेंटिंग प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में नाजरेथ विद्यालय की काव्या राज, डीएवी पब्लिक स्कूल चतरा की दीप्ति कुमारी एवं आशीष रतन को सम्मानित किया गया। सीनियर वर्ग में नाजरेथ विद्यालय चतरा की अश्विनी, आर.एल.के. विद्या मंदिर के बादल कुमार तथा डीएवी पब्लिक स्कूल चतरा की सुमैया सरसराज को सम्मानित किया गया। वहीं ओपन वर्ग में सन्नी कुमार, दीपक कुमार एवं ललन कुमार को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।इसके अतिरिक्त वन एवं पर्यावरण संरक्षण विषयक आयोजित क्विज प्रतियोगिता में चतरा, सिमरिया, टंडवा, लावालौंग एवं पीरी रेंज के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 6, 7 एवं 8 वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, वन संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।अपने संबोधन में उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिकाधिक पौधरोपण करने, जल एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण एवं हरित चतरा के संकल्प के साथ किया गया।

इरकॉन ने राजा कंस्ट्रक्शन व खनन कार्यालय कर्मी पर कराया मामला दर्ज

चतराः कठौतिया-शिवपुर रेलवे निर्माण परियोजना का काम कर रही इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक मोहन सिंह ने सदर थाना में आवेदन देकर सहयोगी कंपनी राजा कंस्ट्रक्शन व खनन विभाग के आठ नामजद व कई अज्ञात पर मामला दर्ज कराया है। प्राथमिकी में राजा कंस्ट्रक्शन के पार्टनर माला देवी, श्यामदेव सिंह, सूरज बाबा, लखदेव सिंह, रोहित राज, राजा, कंस्ट्रक्शन के स्थानीय प्रतिनिधि अविनाश कुमार, खनन विभाग कार्यालय के कर्मी शाहबाज तसनीम (गुड्डू) व कई अज्ञात शामिल है। सभी पर आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज बनाना, जालसाजी, जाली दस्तावेज का असली के रूप में उपयोग, आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक कठौतिया-शिवपुर रेलवे निर्माण परियोजना में कार्य कर रही राजा कंस्ट्रक्शन द्वारा चार सितंबर 2023 से 24 जुलाई 2025 के बीच जिला खनन कार्यालय से निर्गत 16 स्वामित्व स्वच्छता प्रमाण पत्र व 12 सत्यापन प्रतिवेदन कंपनी को उपलब्ध कराये गये। इन्हीं दस्तावेजो के आधार पर मिट्टी खनिज स्वामित्व मद में लगभग 17.29 करोड़ का भुगतान किया गया। मई 2026 में डीएमओ से प्राप्त पत्र में पहली बार बताया गया कि संबंधित 16 स्वामित्व स्वच्छता प्रमाण पत्र पूरी तरह से जाली है और खनन कार्यालय से निर्गत ही नहीं किये गये थे। इसके बाद राजा कंस्ट्रक्शन से स्पष्टीकरण मांगा गया।संवेदक द्वारा बाद में राशि लौटाने के लिए समय मांगा और 29 मई 2026 को 3.40 करोड़ रुपए वापस किया गया। हालांकि कथित जाली प्रमाण पत्रों के संबंध में कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है। इरकॉन कंस्ट्रक्शन ने अपने पार्टनर कंपनी राजा कंस्ट्रक्शन, स्थानीय प्रतिनिधि व खनन विभाग के कुछ कर्मियों की मिलीभगत से जाली दस्तावेज तैयार करने व उनके आधार पर भुगतान प्राप्त करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में थाना प्रभारी अवधेश सिंह ने बताया कि सदर थाना कांड संख्या 226/26 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एससी-एसटी एक्ट के तीन अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा गया जेल

चतराः पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट के फरार तीन अभियुक्तो को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों में गिद्धौर थाना क्षेत्र के डढुआ गांव निवासी कामेश्वर यादव पिता तोखलाल यादव, गिद्धौर गांव निवासी इंद्रदेव राणा पिता सहदेव राणा व मोहन राणा पिता कुलदीप राणा शामिल है।एससी-एसटी थाना प्रभारी रामप्रवेश कुमार ने बताया कि कामेश्वर पर थाना कांड संख्या 1/26 व इंद्रदेव, मोहन पर थाना कांड संख्या 2/26 के तहत एससी-एसटी एक्ट का प्राथमिकी दर्ज है।तीनो फरार चल रहे थे।छापामारी अभियान चला कर तीनो को घरो से गिरफ्तार कर गुरूवार को जेल भेज दिया गया। छापामारी टीम में एससी-एसटी थाना प्रभारी व अन्य शामिल थे।

सदर अस्पताल चतरा में अत्याधुनिक आईसीयू सेवा का शुभारंभ

चतराः जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सदर अस्पताल चतरा में गुरुवार को अत्याधुनिक इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) सेवा का शुभारंभ किया गया। चतरा के उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, सिविल सर्जन डॉ. सत्येंद्र कुमार सिन्हा एवं अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. पंकज कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर आईसीयू वार्ड का उद्घाटन किया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि आईसीयू सेवा शुरू होने से जिले के गंभीर रूप से बीमार मरीजों को अब बेहतर एवं समय पर उपचार की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगी। पूर्व में गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज के लिए रांची, हजारीबाग अथवा अन्य बड़े चिकित्सा संस्थानों में रेफर करना पड़ता था, जिससे मरीजों एवं उनके परिजनों को कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब इस सुविधा के प्रारंभ होने से ऐसे मरीजों को जिले में ही उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकेंगी।सिविल सर्जन डॉ. सत्येंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश एवं मार्गदर्शन में गंभीर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सदर अस्पताल में आईसीयू सेवा प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा जिले के स्वास्थ्य तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ आमजन को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।सदर अस्पताल में आईसीयू का संचालन राज्य सरकार की पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत किया जाएगा। इसके लिए रांची स्थित सोमेश्वर नाथ महादेव ट्रस्ट के साथ समझौता किया गया है। ट्रस्ट द्वारा आईसीयू के संचालन, चिकित्सकीय व्यवस्था तथा प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।ट्रस्ट के निदेशक अमित चौबे ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के पात्र लाभुकों को गंभीर बीमारियों के उपचार की सुविधा नियमानुसार उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित इस केंद्र में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान किया जाएगा। आईसीयू के सफल संचालन के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की टीम चौबीसों घंटे मरीजों की निगरानी एवं उपचार में तैनात रहेगी।सिविल सर्जन ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। चतरा में आईसीयू सेवा की शुरूआत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे दुर्घटना, हृदयाघात, स्ट्रोक, गंभीर संक्रमण एवं अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को समय पर जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध हो सकेगा तथा रेफरल की आवश्यकता में भी कमी आएगी।कार्यक्रम में अस्पताल प्रबंधक आदिल आलम, डॉ. अजहर, डॉ. सचिन गुप्ता, डॉ. आशीष, डॉ. आदिल, डॉ. अनस, डॉ. इरफान, डॉ. विनय मेहता, डॉ. अभिषेक, डीपीएम श्रीमती संगीता एक्का, डीपीसी श्री रंजीत सिंह सहित अन्य चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के झारखंड दौरे को सफल बनाने को लेकर प्रदेश किसान मोर्चा की बैठक संपन्न

संवाददाता

रांचीः भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय झारखंड प्रवास को लेकर प्रदेश कार्यालय रांची में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू के नेतृत्व में उनके भव्य स्वागत तथा दौरे को सफल बनाने हेतु तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रांत उपाध्याय ,अजय दुबे, प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, अजय मुंडा, प्रदेश मंत्री मनमीत अकेला, डॉ विनोद ठाकुर, प्रदेश कार्यालय मंत्री सज्जन कु० पंकज, मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह, सह कार्यालय मंत्री सुरेंद्र मंडल, प्रमंडलीय प्रभारी सुरेश महतो सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। उक्त बैठक में मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन के दौरे को सफल बनाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। तथा तैयारीयों का जायजा लिया और आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस दौरान पवन साहू जी ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की पावन धरती पर भारतीय जनता पार्टी के मा० राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी के आगमन कार्यकर्ताओं में नया उत्साह, नई ऊर्जा और विजय का नया संकल्प लेकर आ रहा है। इस मौके पर किसान मोर्चा की ओर से उनका नंदन, वंदन, अभिनंदन और जौहार के साथ स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे शहर पार्टी के झंडा, बैनर, पोस्टर, फ्लैक्स तथा होर्डिंग से पटा हुआ है। कार्यक्रम को चार आयाम में बांटा गया है। किसी क्रम में किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कार्निवल बैंक्विट हॉल में फूलों के गुलदस्ता, सजाया हुआ भिन्न भिन्न प्रकार की हरी- हरी सब्जियां भेंटकर उनका स्वागत किया जायेगा। साथ हीं यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जन आंदोलन की शुरूआत किया गया एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ पौधरोपण किया जाएगा। आगे पवन साहू ने कहा कि आज 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस है, इस उपलक्ष्य में लोग अपनी मां के प्रति सम्मान, प्रेम और याद के रूप में कम से कम एक पेड़ लगाते हैं। इसी क्रम में किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने एक-एक पेड़ लगाते हुए किसान भाइयों को भी एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कम से कम एक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। जिसका उद्देश्य मातृत्व के प्रति आभार जताना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देकर धरती को हरा भरा बनाना है। इस मौके पर उन्होंने झारखण्ड वासियों को आह्वान करते हुए कहा कि आप अपने घर, आसपास के पार्क या किसी सार्वजनिक स्थान पर अपनी मां के हाथों से या उनकी स्मृति में कोई भी पौधा जरूर लगाएं।

अग्निवीर ट्रेनिंग पूरी कर गांव लौटे संजीत यादव

पाण्डेयपुरा में गाजे-बाजे, फूल-मालाओं और देशभक्ति नारों के बीच हुआ भव्य स्वागत

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के पाण्डेयपुरा गांव में उस समय उत्साह का माहौल देखने को मिला, जब अग्निवीर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर गांव लौटे संजीत कुमार यादव पिता सुलील यादव का ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। गांव पहुंचते ही युवाओं, ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने गाजे-बाजे के साथ उनका स्वागत किया तथा फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया।संजीत यादव की घर वापसी को लेकर गांव के लोगों में काफी उत्साह देखा गया। स्वागत जुलूस में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, महिलाएं एवं बुजुर्ग शामिल हुए। लोगों ने कहा कि गांव का एक बेटा देश सेवा के लिए आगे बढ़ा है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। ग्रामीणों ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि इससे अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी।मौके पर मुखिया प्रतिनिधि सुनील रजक, मोती यादव, नेमन यादव, वीरेंद्र यादव, शंभू शरण तिवारी, धर्मेंद्र तिवारी, संतोष तिवारी, अजित यादव एवं पिकेट प्रभारी सुनील दुबे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने संजीत यादव को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि देश सेवा का संकल्प लेने वाले युवाओं का सम्मान समाज के लिए गौरव की बात है।कार्यक्रम के दौरान लोगों ने संजीत यादव को शुभकामनाएं दीं और उनके सफल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों ने कहा कि पाण्डेयपुरा गांव के लिए यह गर्व का क्षण है और संजीत यादव की सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

नीट (यूजी) परीक्षा-2026 की तैयारी तेज, उपायुक्त ने की समन्वय समिति की बैठक

खूंटीः राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट(यूजी) परीक्षा-2026 के सफल, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर खूंटी जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा चौधरी, डीएसपी मुख्यालय, सिटी कॉर्डिनेटर-सह-प्रधानाध्यापक, केंद्राधीक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि नीट(यूजी) परीक्षा-2026 का आयोजन 21 जून 2026 को दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा के लिए पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय डुमरदग्गा को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

उपायुक्त ने परीक्षा केंद्र पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति, सीसीटीवी निगरानी, फ्रिस्किंग एवं बायोमेट्रिक सत्यापन, पेयजल व्यवस्था, मेडिकल इमरजेंसी के लिए एम्बुलेंस, ट्रैफिक एवं भीड़ प्रबंधन तथा कंट्रोल रूम एवं हेल्पलाइन नंबर जारी करने सहित विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की।

परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने प्रमुख चौक-चौराहों पर साइनेज बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, ताकि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर समय रहते सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने को कहा। बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा संचालन से संबंधित एनटीए की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा बढ़ावा, पर्यटन स्थलों का होगा समग्र विकास : उपायुक्त

खूंटीः समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला खेल एवं पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खेल एवं पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। खेल विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने खूंटी प्रखंड के कमन्ता इंडोर स्टेडियम तथा रनिया प्रखंड के बेलसियागढ़ में निमार्णाधीन प्रखंड स्तरीय स्टेडियम की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कार्य पूर्ण कर हैंडओवर प्रक्रिया जल्द पूरी करने एवं स्टेडियमों का शीघ्र संचालन शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिले की खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए खेल अवसंरचना का विकास प्रशासन की प्राथमिकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रांची नगर निगम का जागरूकता अभियान

पर्यावरण संरक्षण समय की मांग: मेयर

नुक्कड़ नाटक और पौधरोपण के जरिए दिया संरक्षण का संदेश

संवाददाता

रांची: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजधानी रांची में कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में रांची नगर निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, शपथ ग्रहण और पौधरोपण के माध्यम से लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया।

नुक्कड़ नाटक के जरिए पर्यावरण बचाने का संदेश: कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर पर्यावरण प्रदूषण, अंधाधुंध पेड़ कटाई और उसके दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से लोगों के सामने रखा। नाटक के माध्यम से बताया गया कि लगातार घटते वन क्षेत्र, बढ़ता प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं।

कलाकारों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का आह्वान किया। इस अवसर पर आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने, पेड़-पौधों की रक्षा करने, स्वच्छता बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत: मेयर

कार्यक्रम के तहत रांची की मेयर रोशनी खलखो, डिप्टी मेयर नीरज कुमार सिंह और नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही इसे सफल बनाया जा सकता है। मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जिस तेजी से पेड़ों की कटाई और प्रदूषण बढ़ रहा है, उसे देखते हुए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। एक पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी देखभाल करना भी उतना ही जरूरी है। नगर निगम लगातार हरित रांची के लक्ष्य को लेकर काम कर रहा है।

पर्यावरण संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है: डिप्टी मेयर

डिप्टी मेयर नीरज कुमार सिंह ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को याद दिलाने का अवसर है। यदि हम आज पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। हर नागरिक को इस अभियान से जुड़ना चाहिए। वहीं, नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि रांची नगर निगम पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। पौधरोपण, स्वच्छता अभियान और जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें सभी की भागीदारी आवश्यक है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अमर बाउरी ने धुर्वा में किया पौधरोपण

मेट्रो रेज

रांची: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण कार्यक्रम कर रही है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में बढ़ रहे पर्यावरण असंतुलन को ठीक करना है। इसी कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने धुर्वा वार्ड संख्या 38 एवं वार्ड संख्या 40 में पौधरोपण किया। मौके पर उन्होंने कहा कि आज जिस तरह से विकास के नाम पर पूरे विश्व में पेड़ों की कटाई हो रही है और उसके कारण पर्यावरण असंतुलित हो रहा है इसे ठीक करने का एकमात्र उपाय अधिक से अधिक पेड़ लगाना है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से देश की बागडोर संभाली है तब से उन्होंने देशवासियों को हर वर्ष पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम के साथ अभियान की शुरूआत की थी जो आज भी चल रहा है।प्रदेश महामंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत झारखंड में इस वर्ष 2 लाख से अधिक पेड़ लगाने का लक्ष्य है, ताकि झारखंड के जल जंगल जमीन की रक्षा की जा सके। वहीं उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सिर्फ पेड़ ही ना लगाएं बल्कि अपने लगाए पेड़ का सेवा भी करें।

आज के पौधरोपण कार्यक्रम में धुर्वा मंडल अध्यक्ष उमेश यादव, वार्ड संख्या 38 के पार्षद अवधेश ठाकुर, वार्ड संख्या 40 की पार्षद सुचिता रानी, पूर्व पार्षद दीपक लोहार, धुर्वा मंडल महामंत्री शिवाजी सिंह, कन्हैया सिंह, धुर्वा मंडल मंत्री अजय शर्मा, राम सिंह, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक , सत्य प्रकाश , राजा ,

राज्यसभा चुनाव को लेकर सीएम ने की मत्रंणा

मेट्रो रेज

रांची: अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू)कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास में आगामी राज्य सभा चुनाव 2026 को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के मंत्रीगण एवं विधायक गणों के साथ उच्च स्तरीय विचार-विमर्श करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आजसू का रांची विवि में पौधरोपण कार्यक्रम

मेट्रो रेज

रांची: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) ने रांची विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन परिसर में कुलपति के साथ मिलकर पौधरोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी निभाने का भी आह्वान किया गया।

कुलपति महोदया डॉक्टर सरोज शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की।

आजसू के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच पौधारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। संगठन भविष्य में भी पर्यावरण जागरूकता और संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पदाधिकारी,प्रॉक्टर मुकुंद चंद्र मेहता, परीक्षा नियंत्रक संजय सर एवं शिक्षकगण, कर्मचारी एवं आजसू के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और समाज को हरित एवं स्वच्छ बनाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलपति महोदया डॉक्टर सरोज शर्मा, प्रॉक्टर मुकुंद चंद्र मेहता,परीक्षा नियंत्रक संजय सर ,प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा,प्रदेश सचिव डॉक्टर सौरभ शर्मा,राजेश सिंह,सक्षम झा, रोशन नायक, प्रशांत महतो,सौरभ यादव,अब्दुल खान, रोशनी मुंडा,तनु कुमारी,निशांत लिंडा, विद्यानंद रॉय,नीरज कुमार,सिद्धार्थ कुमार, पंकज,अमित व अन्य उपस्थित थे।

लोदमु आम बगान में पांच दिवसीय हरिनाम संकीर्तन शुरू,7

मुरी: लोदमु आम बगान ,मुरी में आज पांच दिवसीय हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ हुआ। झारखंड बंगाल के भजन मंडली द्वारा राधा कृष्ण मंदिर की परिक्रमा करते हुए ढोल झाल बजाते भजन के माध्यम से राधा कृष्ण का नाम लिया गया।आज स्वर्ण रेखा नदी से जल कलश यात्रा कर माँ दुर्गा मंदिर परिसर में कलशपूजन किया गया। पुजारी विष्णु चरण गोस्वामी पूजा अनुष्ठान को पूरा किया गया। बगान में अलग से मां दुर्गा, और बजरंग बली का भी मंदिर है जिसे रंग रोगन के साथ सजाया गया।

प्रिंस खान के नाम पर होटल कैपिटोल हिल के संचालक से मांगी एक करोड़ रंगदारी

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची में गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम पर रंगदारी मांगने का सिलसिला लगातार जारी है। गुरुवार को शहर के प्रतिष्ठित होटल कैपिटोल हिल के संचालक संजय भाटिया उर्फ टिनू भाटिया से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गयी। रंगदारी नहीं देने पर पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दी गयी है। घटना के बाद कारोबारी वर्ग में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, विदेशी नंबर से वॉयस कॉल और व्हाट्सएप कॉल कर रंगदारी मांगी गयी। भेजे गये मैसेज में पहले जोहार टिनू भाटिया जी लिखकर संबोधित किया गया और फिर एक करोड़ रुपये की मांग रखी गयी। मैसेज में यह भी कहा गया कि उनके परिवार की पूरी रेकी कर ली गयी है और एक इशारे पर एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के टीटोस रेस्टोरेंट जैसी घटना को अंजाम दिया जा सकता है।

घटना की सूचना मिलने के बाद रांची पुलिस सक्रिय हो गयी। पुलिस अधिकारी पीपी कंपाउंड स्थित टिनू भाटिया के आवास पहुंचे और मामले की जानकारी ली। हालांकि पुलिस की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस प्रिंस खान गिरोह से जुड़े पुराने मामलों और उसके नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

बताया जाता है कि देर रात तक इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं करायी गयी थी। उल्लेखनीय है कि भाटिया परिवार पहले भी अपराधियों के निशाने पर रह चुका है। परिवार के सदस्य अभिमन्यु भाटिया उर्फ लव भाटिया का पूर्व में अपहरण किया गया था, हालांकि पुलिस ने उन्हें सकुशल बरामद कर लिया था।

गौरतलब है कि दो जून को होटल जलजोगा रेस्टोरेंट के मालिक मिहिर घोष से भी प्रिंस खान के नाम पर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गयी थी। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने राजधानी के कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है।

पहले भी कई कारोबारियों को मिल चुकी है धमकी: प्रिंस खान के नाम पर इससे पहले भी रांची के कई कारोबारियों से रंगदारी मांगी जा चुकी है। मार्च 2026 में अलबर्ट एक्का चौक स्थित जयहिंद फार्मा के संचालक से एक करोड़ रुपये की मांग की गयी थी। जनवरी 2026 में एयरपोर्ट क्षेत्र के टीटोस रेस्टोरेंट संचालक से एक करोड़ रुपये मांगे गये थे। रंगदारी नहीं मिलने पर रेस्टोरेंट में फायरिंग की गयी थी, जिसमें एक वेटर की मौत हो गयी थी। इसके अलावा नामकुम के जमीन कारोबारी सतीश कुमार महतो और सितंबर 2025 में व्यवसायी कृष्ण गोपालका को भी धमकी भरे कॉल और मैसेज मिले थे।

लगातार बढ़ रही ऐसी घटनाओं के बीच पुलिस के सामने चुनौती यह है कि धमकी देने वाले लोग वास्तव में प्रिंस खान गिरोह से जुड़े हैं या फिर उसके नाम का इस्तेमाल कर रंगदारी वसूलने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

आकर्षक छऊ नृत्य व फूलखुदी अनुष्ठान के साथ सुसारी पर्व संपन्न

मेट्रो रेज

राहे: प्रखंड का प्रसिद्ध सुसारी पर्व राहे गांव में शुक्रवार सुबह फूलखुदी अनुष्ठान के साथ संपन्न हुआ। इसके पूर्व गुरुवार की रात सुसारी को माता काली के भेष में श्मशान से शिव मंदिर तक लाया गया। उसके बाद बंगाल के प्रसिद्ध छऊ नृत्य दल द्वारा रात भर नृत्य का आयोजन किया गया। छऊ नृत्य कलाकारों ने धार्मिक ग्रन्थो पर आधारित कहानी का नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया। छऊ नृत्य आयोजन में लोगों की काफी भीड़ रही। पर्व का आयोजन राहे सोलह आना समिति के द्वारा वर्षो से किया जाता रहा है। आयोजन में समिति के मनोज चटर्जी, सुरेंद्र प्रजापति,कमलाकांत सिंह,सुशांत सिंह, दुलाल दत्ता, सुकरा तेली, तुलसी सिंह,सुधीर दास,सहित समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रधान डाकघर में पौधरोपण कार्यक्रम

रांची: आज विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधान डाकघर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि डाक निरीक्षक आशीष कुमार पांडेय ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है! इस अवसर पर डाकघर परिसर में कई फलदार और छायादार पेड़ लगाए गए! इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर राय सहायक डाकपाल रामेश्वर प्रसाद अरुण कुमार सिंह अरजलाल महतो सहित कई डाक कर्मचारी उपस्थित हुए।

55 लाख की लागत से बड़ा मुरी में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का शिलान्यास

मुरी: मुरी पश्चिम पंचायत अन्तर्गत बडा मुरी- स्टेशन रोड के समीप मो धुटु मिया देवी के कर कमलों से शिलान्यास किया गया। नारियल फोडे गए। मिठाई बांटे गए। लोग खुश थे। विधायक अमित महतो का ग्रामीणों ने आभार जताया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि योजना का काम आपका है इसे अपनी जिम्मेदारी मे अच्छी तरह संचालन करे। आगे हर कार्य के प्रतिबद्ध हैं। मौके पर जिप सदस्य लक्ष्मी देवी समेत आसपास के काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आदित्य साहू ने कुच्चू व बाबूलाल मरांडी ने गोंदा मंडल में किया पौधरोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा ने चलाया 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान कार्यक्रम

मेट्रो रेज

रांची: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा पूरे राज्य में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान कार्यक्रम चलाया गया। इस कार्यक्रम के तहत सभी मंडलों में पौधरोपण किया गया। इस अभियान में पार्टी के प्रदेश नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता शामिल हुए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने रांची पूर्वी जिला के ओरमांझी प्रखंड के कुच्चू मंडल स्थित सरस्वती शिशु मंदिर कुल्ही में बूथ संख्या-22 पर, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची महानगर के गोंदा मंडल अंतर्गत रॉक गार्डन परिसर में, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने रांची महानगर के हरमू मंडल में बूथ संख्या 307 पर, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने खूंटी के कर्रा व रांची ग्रामीण पूर्वी के गेतलसूद, रघुवर दास ने रांची महानगर के जगन्नाथपुर, चंपई सोरेन ने सरायकेला खरसावां के गम्हरिया, मधु कोड़ा ने चाईबासा के जगन्नाथपुर, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने रांची महानगर के हटिया, संजय सेठ ने रांची महानगर के पंडरा, दीपक प्रकाश ने रांची महानगर के हरमू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभयकांत प्रसाद ने दुमका के बासुकीनाथ, रविंद्र राय ने रांची महानगर के हरमू एवं यदुनाथ पांडेय ने रांची महानगर के अपर बाजार मंडल अंतर्गत वृक्षारोपण किया। इसके अलावा पार्टी के सभी पदाधिकारी, सांसद

एवं विधायक, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष आदि ने भी संबंधित मंडलों में वृक्षारोपण कर स्वच्छ और अच्छे हरियाली पर्यावरण का संदेश दिया।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रकृति संरक्षण के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के इस महाअभियान में सहभागिता कर हरित, स्वच्छ और समृद्ध भारत के निर्माण हेतु अपना योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं सतत जीवनशैली को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इस अवसर पर हम सभी को एक पेड़ मां के नाम लगाकर धरती माँ को हराभरा बनाने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण का संकल्प लेने की जरूरत है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण, शुद्ध वायु और हरित भविष्य हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी धरोहर है। पर्यावरण की रक्षा केवल सरकारों या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का साझा दायित्व है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जुड़कर अपनी माँ के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण का संदेश दें। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने की अपील भी की।

संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान न केवल प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दशार्ता है, बल्कि माँ के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का भी एक सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर यह अभियान आज एक एक जन आंदोलन बन चुका है।

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग
(शस्त्र शाखा)
e-mail- generalsectionhbag@gmail.com

आम सूचना

निदेशानुसार, सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि Narayan Singh Rathore, Sainik Infratec Private Limited, Ranchi का Ref. No.-SIPL/24-25/01 Dated-24.06.2025 द्वारा अंचल– बड़कागाँव, थाना– उरीमारी, थाना नं0–154, मौजा– पोटंगा, खाता संख्या–13, प्लॉट संख्या–217(P), रकवा–1600 Sqm भूमि पर Self use Underground HSD Consumer pump की स्थापना के निमित्त अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु आवेदन विचाराधीन है।

उक्त भूमि पर Self use Underground HSD Consumer pump की स्थापना के निमित्त यदि किसी को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष आमसूचना के प्रकाशन की तिथि से 07(सात) दिनों के अन्दर लिखित आपत्ति कागजात सहित दर्ज कराना सुनिश्चित करेंगे। सातवाँ दिन के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

ह0/–
शस्त्र दण्डाधिकारी,
हजारीबाग

PR 381522 District(26-27)#D

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला
SP आवास के पास, कस्मटोली रोड, गुमला–7209721521
Email Id- fisheriesgumla2018@gmail.com

वेद व्यास आवास योजना हेतु आवेदन आमत्रंण सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में राज्यादेश संख्या 04 रा0(वि0) दिनांक 21.05.2026 द्वारा गुमला जिले के सभी सक्रिय अथवा परम्परागत मत्स्य पालक/मछुआ जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादन/प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकडने/मत्स्य बिक्री में सक्रिय मत्स्य कृशकों हेतु गुमला जिले को अनुसूचित जातियों के लिए 04 एवं जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत् 14 कुल 18 वेद व्यास आवास निर्माण का लक्ष्य प्राप्त है । आवेदन पत्र कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला से प्राप्त कर सकते है। सभी इच्छुक मत्स्य पालक दिनांक 22.06.2026 तक आवेदन विहित प्रपत्र में भरकर आवश्यक कागजातों के साथ कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते है ।

1. समाचार पत्रों में विज्ञापन के उपरान्त प्राप्त आवदनों में से लाभुकों का चयन किया जायेगा । पूर्व के आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा ।
2. सक्रिय अथवा परम्परागत मत्स्य पालक/मछुआ जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादन/प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकडने/मत्स्य बिक्री में सक्रिय हों को प्राथमिकता दी जाएगी।
3. प्राथमिकता गरीबी रेखा से नीचे कच्चे मिट्टी से बने अथवा फूस के मकान में रहने वाले मछुआ/मत्स्य पालकों को दी जायगी।
4. आवास निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध रहने तथा कच्चा घरवाले मछुआरों को भी कंडिका 02 एवं 03 के अतिरिक्त लाभान्वित किया जा सकता है । एक परिवार में एक आवास देय है । आवश्यकतानुसार पति–पत्नी के संयुक्त नाम से स्वीकृति दी जायगी।
5. प्रकियानुसार आवेदक दिव्यागों हेतु स्वीकृत राशि का न्यूनतम 03 प्रतिशत् तथा महिलाओं के लिए न्यूनतम 10 प्रतिशत् राशि का प्रावधान जिलावार किया जायेगा । संयुक्त राश्ट्र द्वारा वर्श 2026 को अन्तर्राश्टीय महिला किसान वर्श घोशित किया गया है ।
6. ऐसे लाभुकों को दोबारा लाभ नही दिया जायगा, जो पूर्व संचालित विभागीय मछुआ आवास/वेद व्यास आवास योजना अथवा इन्दिरा आवास या समतुल्य केन्द्र/राज्य सरकार की किसी भी आवास योजना से लाभान्वित हो चुके है ।
7. आवेदक को वर्त्तमान में रह रहे अपने कच्चे आवास का जियो टैग फोटोग्राफ आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।
8. आवेदन पत्र के साथ फोटो, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, भूमि संबंधित कागजात (भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र) संबंधित अंचल अधिकारी द्वारा सत्यापित, वर्तमान आवास का फोटो संलग्न करना आवश्यक है।
9. लाभुक का चयन राज्यादेशानुसार गठित समिति द्वारा की जायगी, जिसका निर्णय अंतिम होगा तथा उस पर किसी प्रकार का कोई भी पत्राचार नही किया जायगा।
10. आवेदक को NFDP Portal पर Registration कराना अनिवार्य होगा ।
11. योजना का दोहरीकरण न हो इस हेतु आवेदक (पति/पत्नि) को इंदिरा आवास/अन्य योजनान्तर्गत आवास नही मिला है का प्रमाण पत्र (प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा निर्गत) संलग्न करना अनिवार्य है अन्यथा आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।
12. किसी भी आवेदन को विभाग हित में स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
13. प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के मानक प्राक्कलन के आधार पर आवास निर्माण का कार्य लाभुकों के द्वारा स्वंय कराया जाएगा । लाभुक आवश्यकता अनुसार छत ढलवा अथवा समतल रख सकते हैं । आवास निर्माण हेतु अधिकतम प्रति लाभुक मो0 1,91,200/– रू0 की आर्थिक सहायता होगी । इस पर कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–02, राँची द्वारा दिनांक 26.10.2023 को तकनीकी स्वीकृती प्रदान की गई है। पक्का आवासों का निर्माण लाभुकों की निजी जमीन पर कराया जाएगा । इसके लिए एकाउन्ट स्थानान्तरण (Direct Benefit Transfer) के माध्यम् से लाभुकों के बैंक खाते में राशि उपलब्ध करायी जाएगी ।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदा0, गुमला

PR 381553 Fish(26-27)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

एमआरपी का मायाजाल: आखिर उपभोक्ता कब तक लुटता रहेगा?

बाजार में बिकने वाली लगभग हर वस्तु पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए शुरू की गई यह व्यवस्था अब कई सवालों के घेरे में है, विशेषकर दवाइयों और रोजमर्रा के उपयोग के सामानों की कीमतों को लेकर। उपभोक्ता संगठनों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में कंपनियां मनमाने तरीके से एमआरपी तय कर रही हैं, जिससे आम आदमी आर्थिक शोषण का शिकार हो रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार एमआरपी वह अधिकतम कीमत होती है, जिस पर कोई वस्तु उपभोक्ता को बेची जा सकती है। इसमें उत्पादन लागत, पैकेजिंग, परिवहन, टैक्स और विक्रेता का लाभ शामिल होता है। एमआरपी व्यवस्था लागू होने से पहले अलग-अलग राज्यों और शहरों में एक ही उत्पाद की कीमत अलग-अलग होती थी। इसी असमानता को समाप्त करने के लिए सरकार ने उत्पादों पर एमआरपी अंकित करना अनिवार्य किया था। लेकिन अब उपभोक्ता संगठनों का कहना है कि यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटक चुकी है। सबसे अधिक सवाल दवाइयों की कीमतों को लेकर उठ रहे हैं। एक ही साल्ट की दवा अलग-अलग ब्रांड नामों से बाजार में कई गुना अधिक कीमत पर बेची जा रही है। जहां जन औषधि केंद्रों पर वही दवा बेहद कम कीमत पर उपलब्ध होती है, वहीं निजी मेडिकल स्टोर्स पर उपभोक्ताओं को उसी दवा के लिए कई गुना अधिक भुगतान करना पड़ता है। उपभोक्ता संगठनों का कहना है कि दवा का मूल तत्व समान होने के बावजूद कीमतों में इतना बड़ा अंतर केवल ब्रांडिंग, मार्केटिंग और वितरण व्यवस्था के कारण है।

बाजार में आज ऐसी स्थिति बन गई है कि कंपनियां पहले उत्पाद पर अत्यधिक ऊंची एमआरपी छापती हैं और फिर भारी छूट का दावा कर उपभोक्ताओं को आकर्षित करती हैं। उपभोक्ता को लगता है कि उसे सस्ता सामान मिल रहा है, जबकि वास्तविकता में वस्तु की मूल कीमत कहीं कम होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि एमआरपी अब उपभोक्ता हितों की सुरक्षा से अधिक कंपनियों के मुनाफे का माध्यम बनता जा रहा है। उपभोक्ता अधिकारों पर काम करने वाले संगठनों का कहना है कि अधिकांश लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं। बहुत से उपभोक्ता बिना बिल के सामान खरीद लेते हैं और बाद में शिकायत करने की स्थिति में उनके पास कोई प्रमाण नहीं होता। दवाइयों के मामले में भी लोग केवल ब्रांड नाम देखकर दवा खरीद लेते हैं और उसके साल्ट या जेनेरिक विकल्प के बारे में जानकारी नहीं लेते। यही कारण है कि उपभोक्ता अक्सर अधिक कीमत चुकाने को मजबूर हो जाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक कीमत वसूलता है या बिल देने से मना करता है तो उपभोक्ता राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन, उपभोक्ता आयोग, लीगल मेट्रोलॉजी विभाग या औषधि नियंत्रक विभाग से शिकायत कर सकता है। ऑनलाइन शिकायत की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं लेकिन जागरूकता की कमी के कारण अधिकांश लोग इन अधिकारों का उपयोग नहीं कर पाते। इसी मुद्दे को लेकर उपभोक्ता जागरूकता अभियान चला रही संस्था अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने सरकार से एमआरपी व्यवस्था पर सख्त कानून बनाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि वर्तमान में एमआरपी तय करने की कोई प्रभावी सीमा या पारदर्शी व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण कंपनियां मनमाने तरीके से कीमतें निर्धारित कर रही हैं। संगठन यह भी मांग कर रहा है कि उत्पादों पर केवल एमआरपी ही नहीं बल्कि उत्पादन लागत भी अंकित की जाए ताकि उपभोक्ता वास्तविक मूल्य को समझ सके। इन मांगों को लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत 12 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना आयोजित करने जा रही है। संगठन का कहना है कि सरकार को एमआरपी निर्धारण, उसकी समीक्षा और नियंत्रण के लिए स्पष्ट कानून बनाना चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को अनुचित मूल्य वसूली से बचाया जा सके। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार विशेष रूप से दवाइयों, सौंदर्य प्रसाधनों और रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पादों में मूल्य निर्धारण की पारदर्शिता बेहद आवश्यक है।

बेटी का अधिकार

भारतीय न्यायपालिका ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि न्याय हमेशा समाज की बदलती वास्तविकताओं को स्वीकार करते हुए समानता, गरिमा और मानवीय अधिकारों की रक्षा का सशक्त माध्यम है। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिया गया हालिया निर्णय, जिसमें विवाहित बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति एवं आश्रित कोटे के लाभों से बाहर रखने को असंवैधानिक ठहराया गया है, भारतीय न्यायिक इतिहास में महिला अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय कहलाएगा । वास्तव में यह निर्णय उस सोच को भी चुनौती देता है जो विवाह के बाद बेटी को उसके माता-पिता के परिवार से अलग मान लेने की प्रवृत्ति रखती है। कई बार माता-पिता के लिए भी और कई बार परिवार के भाई एवं अन्य कुटुम्बजनों के लिए। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने स्पष्ट कहा कि विवाहित पुत्री को ह्लपरिवारह्व की परिभाषा से बाहर रखना मनमाना, अनुचित तथा संविधान के समानता सिद्धांत के विपरीत है। आज न्यायालय की इस संबंध में अत्यंत सारगर्भित टिप्पणी बता रही है कि विवाह न तो बेटी और उसके माता-पिता के बीच के संबंध को समाप्त करता है और न ही यह मान लेने का कोई आधार देता है कि वह अब अपने परिवार पर आश्रित नहीं रही। इसके साथ ही यह कथन भारतीय समाज की वास्तविक स्थिति को अभिव्यक्त भी करता है, जहां आज असंख्य विवाहित बेटियां अपने माता-पिता की देखभाल करती हैं, उनके आर्थिक और सामाजिक संबल का आधार बनती हैं तथा कठिन परिस्थितियों में परिवार की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाती हैं। आप यह भी कह सकते हैं कि कुलसुम निशा के मामले में न्यायालय ने कानून की व्याख्या नवीन अर्थों के साथ की है, जिसमें जीवन की वास्तविकताओं को महत्व दिया गया। याचिकाकर्ता अपनी माता के निधन के पश्चात अपनी बहनों, जिनमें एक दृष्टिबाधित बहन भी शामिल है, के भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभा रही है। वे अपनी माता के साथ रहती थीं और उचित मूल्य की दुकान के संचालन में सहयोग करती थीं। इसके बावजूद, इसलिए उनकी अर्जी अस्वीकार कर दी गई थी क्योंकि वे विवाहित थीं। अब न्यायालय ने इस आधार को ही असंवैधानिक घोषित कर दिया है। यह निर्णय बताता है कि न्यायपालिका व्यक्ति की वास्तविक परिस्थितियों को प्राथमिकता देती है, न कि रूढ़िगत धारणाओं को। वास्तव में यह निर्णय भारतीय संविधान की मूल भावना का विस्तार है। संविधान के अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है। यदि विवाहित पुत्र को परिवार का सदस्य माना जा सकता है तो विवाह के कारण विवाहित पुत्री को उस अधिकार से वंचित करना स्पष्ट रूप से लैंगिक भेदभाव ही है। उच्चतम न्यायालय ने इसी असमानता को समाप्त करते हुए एक बार फिर यह संदेश दिया है कि अधिकार व्यक्ति की योग्यता, आवश्यकता और वास्तविक स्थिति के आधार पर निर्धारित होंगे, न कि उसके लिंग या वैवाहिक स्थिति के आधार पर।

मालवीय नगर अग्निकांड: जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

‘ हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त कर भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। ’

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में 21 लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त कर भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें- क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है?

किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है- सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है।

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं बल्कि रोकथाम का है। दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं। भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सबकुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है। दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते। इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है- क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

जीवन का आधार है पर्यावरण

‘ विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम है- जलवायु के लिए अभी। यह थीम जलवायु परिवर्तन की तात्कालिकता और इसके वास्तविक, ठोस समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करती है। पर्यावरण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है। परि का अर्थ होता है हमारे आसपास या हमारे चारों ओर। आवरण का अर्थ होता है हम चारों ओर जिससे घिरे हैं। ’

रमेश सर्राफ धमोरा

दुनिया में हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को कई कार्यक्रमों के जरिये प्रकृति को संरक्षित रखने, पेड़-पौधे लगाने, हरे पेड़ न काटने, नदियों को साफ रखने और प्रकृति से खिलवाड़ न करने जैसी चीजों के लिए जागरुक किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस एक अभियान है। जिसका मुख्य उद्देश्य पृथ्वी के सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। विश्व स्तर पर इसकी शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम है- जलवायु के लिए अभी। यह थीम जलवायु परिवर्तन की तात्कालिकता और इसके वास्तविक, ठोस समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करती है। पर्यावरण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है। परि का अर्थ होता है हमारे आसपास या हमारे चारों ओर। आवरण का अर्थ होता है हम चारों ओर जिससे घिरे हैं। अर्थात पर्यावरण का अर्थ हमारे आसपास के वातावरण से है। पर्यावरण पेड़-पौधों, वायु हमारे आसपास की सभी चीजों से मिलकर बनता है। पर्यावरण हमारे दैनिक जीवन से सीधा संबंध रखता है। मानव और पर्यावरण एक-दूसरे से संबंधित तथा एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। पर्यावरण प्रदूषण जैसे पेड़ों का कम होना, वायु प्रदूषण आदि मनुष्य के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डालता हैं। मानव की अच्छी बुरी आदतों का प्रभाव सीधा पर्यावरण पर पड़ता है। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मानव जाति को पर्यावरण के प्रति सचेत करना हैं। उसका उद्देश्य पूरी प्रकृति व पर्यावरण की सुरक्षा करना है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मेकिंग पीस विद नेचर रिपोर्ट पृथ्वी पर मंडरा रहे तीन बड़े पर्यावरणीय संकटों जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का नुकसान और प्रदूषण से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक खाका प्रदान करती है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि और प्रदूषण तीनों आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। ये मानव अस्तित्व के लिए एक स्व-निर्मित खतरा हैं। प्रदूषण के कारण हर साल लगभग 90 लाख लोग असामयिक रूप से अपनी जान गंवाते हैं। लगभग 10 लाख प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। मानवता ने पिछले 50 वर्षों में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक और अस्थिर दोहन किया है जिससे हमारी पृथ्वी की जीवन-समर्थन क्षमता कमजोर हो गई है। सतत भविष्य के लिए जरूरी है कि अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय प्रणालियों को इस तरह से बदला जाए जो प्रकृति को नुकसान पहुंचाने के बजाय उसे बहाल करने में निवेश करें। पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड के वैश्विक उत्सर्जन में 2010 की तुलना में 45% की कमी और 2050 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करना अनिवार्य है। भोजन, ऊर्जा और सामग्री के उत्पादन के वर्तमान तरीकों में सुधार करना होगा ताकि पृथ्वी के संसाधनों का अधिक न्यायसंगत और सुरक्षित उपयोग हो सके। सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जलवायु, जैव विविधता और प्रदूषण से जुड़ी नीतियों को एक साथ लागू करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट इस निष्कर्ष पर जोर देती है कि आने वाले दशकों में प्रकृति के साथ शांति स्थापित करना मानवता के लिए सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक कार्य है। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। मगर देश में लाकडाउन के चलते बिना कुछ खर्च किए नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी, उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी। वैज्ञानिकों के अनुसार गंगा का पानी साफ होने की वजह पानी में घुले डिसाल्वड की मात्रा में आई 500 प्रतिशत की कमी थी। देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ों को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़, पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी। प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण आज हमारा पर्यावरण खतरे में हैं। पर्यावरण के सभी घटक जीवमंडल, जलमंडल, वायुमंडल सभी प्रदूषण में फंस गए हैं। प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव सामान्य प्राकृतिक पर्यावरण को बहुत अधिक प्रभावित कर रहा हैं। ज्वालामुखी का फटना जंगल में अपने आप आग लगना आदि प्राकृतिक प्रदूषण की घटनाएं हैं। जल का मैला होना, वाहनों से निकलने वाला धुआं, कल-कारखानों से निकलने वाला धुएं से उत्पन्न होने वाला प्रदूषण, वनों की कटाई आदि मानव द्वारा निर्मित प्रदूषण हैं। मानव द्वारा निर्मित प्रदूषण से प्रकृति व पर्यावरण का विनाश तेजी से हो रहा हैं। प्रदूषण के मुख्य रूप जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और मृदा प्रदूषण हैं। ऐसे में पर्यावरण प्रबंधन की वर्तमान में बहुत आवश्यकता है। आज पर्यावरण प्रदूषण बहुत तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या और बड़ी-बड़ी इमारतों के कारण पर्यावरण की प्रकृति नष्ट हो रही है। हर जगह-जगह घने वृक्ष काट कर बड़ी बिल्डिंगों का निर्माण करना पर्यावरण और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ हैं। इतना ही नहीं जहां वाहनों का धुआं, मशीनों की आवाज, खराब रासायनिक जल आदि की वजह से, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण हो रहा है। जिसके कारण हमें अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण के अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। हमें भविष्य में जीवन को बचाये रखने के लिए पर्यावरण की सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा। यह पृथ्वी पर निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को आगे आकर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम का हिस्सा बनना होगा तभी हम पृथ्वी को सुरक्षित रख सकेंगे। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हें इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमें व हमारी आने वाली पीढ़ियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पाएंगे। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पाएगी।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

क्यों है बाबा केदार की Wiafter Seat, यहीं होती है 6 महीने पूजा

केदारनाथ मंदिर 12 ज्योतिर्लिंग और उत्तराखंड के चार धामों में से एक है। सर्दियों में बाबा 6 महीनों तक भक्तों को दर्शन नहीं देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन 6 महीनों में बाबा केदार की पूजा कहां होती है और उनका दूसरा घर कहां है। केदारनाथ मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से हैं और उत्तराखंड के चार धामों में से एक है। शीलकाल में बाबा भक्तों को दर्शन नहीं देते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इन 6 महीनों में बाबा केदार की पूजा कहां होती है और उनका दूसरा निवास कहां है।

बाबा केदार के द्वार हो जाते हैं बंद

शीतकाल में बर्फबारी की वजह से बाबा केदार के द्वार बंद कर दिए जाते हैं। क्योंकि यहां पर इतनी ज्यादा बर्फ पड़ती है कि मंदिर तक पहुंच पाना और आध्यात्मिक गतिविधियों को कर पाना मुश्किल होता है। पहाड़ पर बसे होने की वजह से सर्दियों में ऑक्सीजन की भी कमी हो जाती है। इसलिए बाबा केदार को दूसरा स्थान दिया जाता है, जिसका नाम ऊखीमठ है। ऊखीमठ को भगवान केदार का शीतकालीन घर कहा जाता है। केदारनाथ के कपाट बंद होने के बाद बाबा केदार की चलविग्रह पंचमुखी डोली कई जगहों से होकर यहां आती है।

बाबा केदार का शीतकालीन मंदिर

ऊखीमठ में मौजूद ओंकारेश्वर मंदिर को दूसरा केदारनाथ कहा जाता है। सर्दियों में भी दूर-दूर से भक्त बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। आने वाले समय में बाबा ऊखीमठ से ही श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। इस मंदिर की बनावट भी केदारनाथ मंदिर से काफी मिलता है। प्रमुख मंदिर की बनावट केदारनाथ मंदिर जैसी है। लेकिन मंदिर का प्रांगण बड़ा है, मंदिर प्रांगण में सुंदर नक्काशी मंदिर की दीवारें सजी हैं। वहीं 6 महीने के बाद शुभ मुहूर्त में फिर से बाबा को केदारनाथ के लिए रवाना कर दिया जाता है।

देवताओं के बदलते हैं स्थान

सर्दी के मौसम में सिर्फ बाबा केदार ही नहीं बल्कि गंगोत्री, यमुनोत्री और बद्रीनाथ भगवान भी अपना स्थान बदलते हैं। गंगोत्री धाम को मुखवा, यमुनोत्री को खरसाली और बाबा बद्रीनाथ को पांडुकेश्वर और ज्योर्तिमठ में स्थापित किया जाता है। बर्फबारी के दौरान चारों धाम को उनके दूसरे घर पर विराजमान किया जाता है।

चमत्कारी दीया

बता दें कि केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद होने के बाद मंदिर में 6 महीने तक पूजा-पाठ नहीं होती है। लेकिन फिर भी इस मंदिर के अंदर लगातार 6 महीने तक एक चमत्कारी दीपक जलता रहता है। मंदिर में उस दीपक के लिए कोई व्यवस्था नहीं होती है, लेकिन इसके बाद भी वह दीपक लगातार जलता रहता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

हमारा लक्ष्य है शासन और जनता के बीच की दूरी को खत्म करना : अशोक

– कांग्रेस के 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष अशोक कुमार दास की अगुवाई में जनता दरबार आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाःप्रखंड मुख्यालय में आयोजित जनता दरबार' आज स्थानीय ग्रामीणों के लिए नई उम्मीद लेकर आया। कांग्रेस के 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष अशोक कुमार दास की अगुवाई में आयोजित इस दरबार में न केवल जन-समस्याएं सुनी गईं।बल्कि कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कर अधिकारियों को सख्त चेतावनी भी दी गई। प्रमुख मुद्दे और त्वरित कार्रवाईः जनता दरबार में ग्रामीणों ने बुनियादी सुविधाओं को लेकर अपना पक्ष रखा जिस पर अध्यक्ष ने तत्काल संज्ञान लिया ,बिजली-पानी का संकट अघोषित बिजली कटौती और पानी की किल्लत पर नाराजगी जताते हुए अशोक कुमार दास ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के कड़े निर्देश दिए। पीएम आवास योजना,आवास के लंबित मामलों को प्राथमिकता की सूची में डालते हुए पात्र लाभार्थियों को जल्द लाभ दिलाने का भरोसा दिलाया गया,सड़क और स्वास्थ्य जर्जर सड़कों की मरम्मत और अस्पतालों में बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अधिकारियों को जवाबदेह बनाया गया। हमारा लक्ष्य शासन और जनता के बीच की दूरी को खत्म करना है। किसी भी नागरिक को अपने हक के लिए दफ्तरों की ठोकरें न खानी पड़ें, यही हमारी प्राथमिकता है। जनता की सेवा ही हमारा संकल्प है।

अधिकारियों को सख्त हिदायत, लापरवाही बर्दाश्त नहींः कार्यक्रम के दौरान कई ऐसी फाइलें जो महीनों से धूल फांक रही थीं, उनका निपटारा मौके पर ही कराया गया। अशोक कुमार दास ने स्थानीय प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की सुस्ती या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रशासनिक तंत्र की इस सक्रियता को देखकर ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। लोगों का कहना है कि अगर इसी तरह सीधे संवाद के जरिए समस्याओं का समाधान होता रहे,तो बिचौलियों का खेल खत्म होगा और असली हकदार को उसका हक मिल सकेगा।

प्रखंड अध्यक्ष के पुनर्गठन को लेकर बैठक आयोजित

किसी भी संगठन के लिए कार्यकर्ता का होना अति आवश्यक : राजकुमार यादव

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाःप्लस टू हाई स्कूल बरहरवा परिसर में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला महामंत्री सह प्रखंड प्रभारी मोहम्मद इमाम विश्वास की अध्यक्षता में प्रखंड अध्यक्ष के पुनर्गठन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप मे केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव उपस्थित थे। बैठक को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि किसी भी संगठन के लिए कार्यकर्ता होना अति आवश्यक है संघ के नियमों के आधार पर चलना ही अनुशासन का प्रतीक माना गया है। प्रखंड /नगर प्रभारी मोहम्मद इमाम विश्वास ने बताया कि प्रखंड और नगर स्तरीय कमेटी का पुनर्गठन करना है जिसमें से प्रत्येक प्रखंड और नगर कमेटी में 15 सदस्य का होना आवश्यक है सर्वसमिति से बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष जितेन रजक,प्रखंड महामंत्री मोहम्मद हिफाजुल विश्वास,कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण यादव,उपाध्यक्ष गणेश रविदास, कोषाध्यक्ष सुदन सरदार को चुना गया,नगर अध्यक्ष आलोक कुमार घोष, नगर महामंत्री अकरम हुसैन,उपाध्यक्ष अजय रामानी एवं सदस्य मंटू गुप्ता का चयन किया गया।मौके पर जिला कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद सईद अख्तर,रीता मुर्मू,फुल सोरेन,मिथुन दास,मिथुन घोष,सुभाषटेन टुडू सहित अन्य मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

एसडीपीओ ने की अपराध नियंत्रण गोष्ठी

नशा कारोबारियों और अपराधियों पर सख्ती के निर्देश,

साहिबगंज :अनुमंडल भवन में गुरुवार को पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी एसडीपीओ सुशील कुमार की अध्यक्षता में मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों को अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों के निष्पादन तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।एसडीपीओ ने विशेष रूप से नशा कारोबारियों, नशेड़ियों और अवैध लॉटरी कारोबार पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की गतिविधियों पर तत्काल अंकुश लगाया जाए। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों से अपने-अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध नशा कारोबार, लॉटरी संचालन और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र निष्पादन पर जोर दिया गया। साथ ही जेल से जमानत पर बाहर आए अपराध प्रवृत्ति के लोगों की निगरानी रखने तथा संबंधित थाना में उनकी नियमित हाजिरी सुनिश्चित कराने का निर्देश भी दिया गया।गोष्ठी में नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडे सहित अनुमंडल क्षेत्र के अन्य थाना प्रभारी उपस्थित थे। एसडीपीओ ने सभी पुलिस अधिकारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाने का निर्देश दिया।

महिला से छेड़छाड़ का मामला दर्ज आरोपी की तलाश में पुलिस

साहिबगंजःनगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला निवासी निशा देवी, पति सत्य नारायण दास की शिकायत पर मोहल्ले के ही अभिषेक कुमार के विरुद्ध छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया है। इस संबंध में जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 96/26 दर्ज की गई है।थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि महिला द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है तथा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने कहा कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

पिस्तौल की बट से हमला मामले में तीन दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं

साहिबगंजःनगर थाना क्षेत्र में युवक पर पिस्तौल की बट से हमला कर घायल करने के मामले में तीन दिन बीत जाने के बावजूद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित परिवार में नाराजगी है। घायल के परिजनों ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। घायल के पिता मोहम्मद सगीर अंसारी ने बताया कि रविवार की रात बकरी बांधने के विवाद को लेकर उनके पुत्र के साथ मारपीट की गई थी। आरोप है कि मोहल्ले के ही मोहम्मद राजू अंसारी सहित अन्य लोगों ने हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद घायल का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया था। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के तीन दिन बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि मामले में अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।इधर आरोपी बनाए गए मोहम्मद राजू अंसारी ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि घटना के दिन वह साहिबगंज में मौजूद नहीं थे। वह बाहर वाहन चलाने का काम करते हैं। और काम के सिलसिले में शहर से बाहर थे। उन्होंने कहा कि उन्हें गलत तरीके से मामले में नामजद किया गया है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी में जिला व्यवसायी संघ ने राहगीरों को पिलाया पानी

साहिबगंजःभीषण गर्मी के बीच गुरुवार को जिला व्यवसायी संघ ने शहर के पश्चिमी फाटक पर शिविर लगा कर राहगीरों को पानी पिलाया। इस दौरान साप्ताहिक हाट आने जाने वाले राहगीरों ने राहत महसूस करते हुए व्यवसायी संघ का आभार जताया। सैकड़ों महिला व पुरूष व बच्चों के बीच बोतल बंद पेयजल का वितरण किया गया।संघ के नवीन भगत ने कहा कि व्यापारी हित में काम करने वाली संस्था ने भीषण गर्मी को देखते हुए जनहित में पानी पिलाने का काम किया है।ऐसी ही गर्मी जारी रही तो आगे भी ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे। मौके पर सुनील भरतिया,अनूप सिंह,अंकित केजरीवाल,जाहिद खान,अजय कुमार डोकानिया,सोनेलाल गुप्ता,शुभम कुमार पोद्दार,अनिल कुमार सिंह,गौरव कुमार अग्रवाल,मो.तनवीर,राजेश चिरानिया,रवि सिंह अजमानी,शुभम तिवारी,सोनू कुमार,वैभव बिनय,नानू,विकास गुप्ता उपस्थित थे।

दस दिन से व्याप्त बिजली संकट हुआ दूर,100 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगा गया

युवा कांग्रेस के राजमहल विधनसभा अध्यक्ष कौसर आलम आलम की पहल

साहिबगंजः सदर प्रखंड के लालबथानी हाजी अब्दुस शकुर टोला में पिछले 10 दिन से व्याप्त बिजली संकट अब दूर हो गया। युवा कांग्रेस के राजमहल विधनसभा अध्यक्ष कौसर आलम आलम की पहल से गांव में 100 केवी का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया।गौरतलब है कि लालबथानी हाजी अब्दुस शकुर टोला गांव का ट्रांसफार्मर पिछले 10 दिनों से जला हुआ था वर्तमान समय में बिजली न होने के कारण पानी और रोशनी के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था भीषण गर्मी में बिजली की कमी में ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी थी बिजली संकट गहराने पर ग्रामीणों ने अपनी व्यवस्था युवा कांग्रेस राजमहल विधानसभा कौसर आलम को बताई मामले की गंभीरता को देखते हुए कौसर अलम ने ग्रामीण को आश्वासन दिया था कि जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराएंगे अपने वादों के अनुरूप उन्होंने विभाग से संपर्क साधा और त्वरित कार्रवाई करते हुए 100 केवी का ट्रांसफार्मर गांव भेजवाया और बिजली बहाल हुई ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे अंधेरा में डूबे शकुर टोला में फिर से रोशनी लौट आई ग्रामीणों ने कौसर आलम की त्वरित पहल और जनहित में किए गए कार्य के लिए उनका तहे दिल से आभार व्यक्त किया। मौके पर आशिक इकबाल,मो मुस्लिम जमरूल हक अफरोज आलम, मुस्तफा कमल,नजरूल हक व अन्य उपस्थित रहे।

वार्ड पार्षद ने विद्युत अवर प्रमंडल से मिलकर वार्ड क्षेत्र के विद्युत समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

साहिबगंजःनगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर नौ की वार्ड पार्षद रिफत प्रवीण गुरुवार को कार्यपालक अभियंता विद्युत अवर प्रमंडल से मिलकर अपने वार्ड क्षेत्र के विद्युत समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से वार्ड पार्षद ने बताया कि नौ नंबर वार्ड पटेल चौक से स्वामी विवेकानंद चौक,बाटा रोड से महाराजा स्वीट्स होते हुए एलसी रोड से बादशाह चौक, बंगाली टोला,दुसाध पाड़ा,सब्जी मंडी क्षेत्र पड़ता है।बंगाली टोला में कई जगह केबल तार सड़क पर झूल रहा है।आने जाने वाले वाहन को छूता है।हमारा वार्ड नंबर नौ क्षेत्र में प्रतिमा विसर्जन जुलूस ओर मुहर्रम जुलूस वाला मार्ग है। झूले हुए तार को नया पोल लगाकर व्यवस्थित किया जाए। वही सब्जी मंडी,बंगाली टोला, तिलकधारी कुआं सहित वार्ड नंबर नौ में सड़क के दोनों किनारा में पोल लगाकर केबल तार लगाया जाए और उपभोक्ताओं को कनेक्शन देकर सड़क के बीच से सभी तरह के तार को हटाया जाए।ताकि कोई भी जुलूस पोर्सेशन को आने जाने में किसी भी तरह की समस्या न आए।बंगाली टोला दुसाध पाड़ा स्थित विष्णु रजक के घर समीप से गुलाब गुप्ता के घर तक नया पोल तार लगाया जाए,नफीस किराना दुकान गली समीप सहित कई जगह जर्जर पोल है सबको बदला जाए, साथ साथ कुछ गलियों में नया तार पोल लगाकर विद्युत आपूर्ति बहाल किया जाए।पटेल चौक से सब्जी मंडी होते हुए बादशाह चौक ओर बंगाली टोला में 11 हजार तार में सेफ्टी वायर लगाकर सुरक्षित किया जाए। क्षतिग्रस्त पोल ओर नंगा तार को बदलकर केबल तार ओर नया पोल लगाया जाए।सब्जी मंडी नीलिमा होटल समीप 100केवी के जगह 200केवी का नया ट्रांसफार्मर ओर पुराना सदर अस्पताल समीप एक अतिरिक्त 200 केवी का ट्रांसफार्मर लगाकर लोड बांटा जाए।वही हमारे वार्ड में जहां आवश्यकता हो उसके अनुसार उच्च क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया जाए।वही वार्ड पार्षद ने मानसून ओर मुहर्रम जुलूस से पहले ही वार्ड नंबर नौ में सभी कार्य करके निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने का मांग किया है।वही कार्यपालक अभियंता विद्युत अवर प्रमंडल ने आश्वस्त किया कि जल्द ही सभी कार्य समय रहते करा दिया जाएगा।

विकास कार्यों की अनदेखी को लेकर क्षेत्रवासियों में लगातार बढ़ रहा है आक्रोश

✔ 21 जून को एक दिवसीय जन आक्रोश धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा

संवाददाता

साहिबगंजःजिले के तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन की कथित उपेक्षा और विकास कार्यों की अनदेखी को लेकर क्षेत्रवासियों में लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है।क्षेत्रीय विकास संघर्ष समिति,तीनपहाड़ ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए आगामी 21जून 2026 को एक दिवसीय जन आक्रोश धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है।समिति का आरोप है कि तीनपहाड़ एक महत्वपूर्ण राजस्व देने वाला रेलवे स्टेशन है,जहां से प्रतिवर्ष रेलवे को लाखों रुपये का राजस्व प्राप्त होता है।इसके बावजूद स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं एवं विकास कार्यों की घोर उपेक्षा की जा रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन की समस्याओं और विकास संबंधी मांगों को लेकर कई बार मंडल रेल प्रबंधक एवं महाप्रबंधक स्तर तक लिखित शिकायतें और ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।इसी मुद्दे को लेकर क्षेत्रीय विकास संघर्ष समिति द्वारा 4 जून की संध्या विवाह भवन,बाबूपाड़ा (तीनपहाड़) में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने,जनसंपर्क अभियान चलाने तथा 21 जून को प्रस्तावित धरना- प्रदर्शन को सफल बनाने पर चर्चा की गई।समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि रेलवे प्रशासन क्षेत्र की जायज मांगों पर गंभीरता नहीं दिखाता है तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।उन्होंने क्षेत्र के बुद्धि जीवियों,सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं व आम नागरिकों से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।समिति का कहना है। कि तीनपहाड़ जैसे महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन को विकास के नाम पर लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है,जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।अब क्षेत्र की जनता अपने अधिकारों और विकास के लिए संगठित होकर आवाज बुलंद करने को तैयार है।बैठक में क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठनों,जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

मेरा युवा भारत ने किया विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंजःयुवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अधीन मेरा युवा भारत साहिबगंज के द्वारा आज सूर्य घाट कबूतरखोपी साहिबगंज में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सौरभ पाण्डेय जिला युवा अधिकारी मेरा युवा भारत,विशिष्ट अतिथि मनोज तांती वार्ड सदस्य रविकांत तांती शिक्षक गौरव सुमन५अध्यक्ष,भगत सिंह युवा क्लब और लोकनाथ पासवान समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत और संबोधन से किया गया। सौरभ पाण्डेय द्वारा बताया गया कि विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है।इसका मुख्य उद्देश्य हमारी धरती को बचाने और लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करने के लिए काम करना है। पर्यावरण को बचाने के हमे अनेक प्रकार के कार्य करने होंगे पेड़ लगाएं : आप अपने घर या आस-पास एक पेड़ जरूर लगाएं। प्लास्टिक छोड़ेंः सिंगल-युज (एक बार काम आने वाले) प्लास्टिक जैसे थैलियों का उपयोग बंद करें।

पानी बचाएंः जरूरत न होने पर नल और पानी का दुरुपयोग बंद करें। बिजली बचाएंः कमरे से बाहर जाते समय लाइट और पंखे हमेशा बंद कर दें।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से मिला मनरेगा कर्मियों का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा मांग पत्र

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाः झारखण्ड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ झारखण्ड प्रदेश कमिटी के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को झारखंड राज्य के पूर्व मंत्री एवं कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता आलमगीर आलम से उनके पैतृक आवास इस्लामपुर में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें बुके एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मुलाकात के दौरान संघ के प्रतिनिधियों ने राज्यभर के मनरेगा क्षेत्रीय कर्मियों की वर्तमान स्थिति,लंबित मांगों एवं चल रहे आंदोलन के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मंत्री को बताया कि झारखण्ड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के आह्वान पर राज्य के मनरेगा क्षेत्रीय कर्मी 12 मार्च 2026 से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। हड़ताल को 85 दिनों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है।संघ के प्रतिनिधियों ने पूर्व मंत्री को अवगत कराया कि विभागीय स्तर पर कई दौर की वार्ता आयोजित की गई तथा विभिन्न मुद्दों पर सहमति भी बनी, लेकिन सहमति के अनुरूप बिंदुओं को विभाग द्वारा तैयार किए गए समझौता मसौदे में स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया। संघ द्वारा आवश्यक संशोधन का प्रस्ताव दिए जाने के बावजूद संशोधित मसौदा उपलब्ध नहीं कराया गया और न ही आगे की वार्ता आयोजित की गई।इसके कारण आंदोलनरत कर्मियों में निराशा व्याप्त है।इस दौरान संघ ने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा,जिसमें प्रमुख मांगों के समाधान हेतु उनके हस्तक्षेप एवं समर्थन की मांग की गई।ज्ञापन में मनरेगा क्षेत्रीय कर्मियों को राज्य मनरेगा कोषांग के कर्मियों के समान ग्रेड-पे आधारित मानदेय व्यवस्था में शामिल करने,उड़ीसा मॉडल के आधार पर पांच वर्ष अथवा उससे अधिक सेवा अवधि पूर्ण कर चुके कर्मियों के लिए वन टाइम एब्जॉर्शन नीति लागू कर स्थायी समायोजन करने तथा सेवा अवधि के दौरान दिवंगत हुए 156 मनरेगा कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।संघ के नेताओं ने कहा कि मनरेगा क्षेत्रीय कर्मी वर्षों से ग्रामीण विकास एवं रोजगार सृजन की इस महत्वपूर्ण योजना के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। इसके बावजूद उनकी सेवा सुरक्षा एवं अन्य जायज मांगें लंबे समय से लंबित हैं।उन्होंने उम्मीद जताई कि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम सरकार के समक्ष इन मांगों को मजबूती से उठाएंगे और इनके शीघ्र समाधान हेतु सकारात्मक पहल करेंगे।पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और उनकी समस्याओं एवं मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मनरेगा कर्मियों की समस्याओं का समाधान संवाद एवं सकारात्मक पहल के माध्यम से होना चाहिए तथा वे इस संबंध में आवश्यक स्तर पर सहयोग का प्रयास करेंगे।इस दौरान मौके पर संघ के प्रदेश एवं जिला स्तर के कई पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रीनाथॉन का आयोजन

पूर्वी सिंहभूम : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जमशेदपुर वन प्रमंडल की ओर से सोनारी स्थित वन भवन परिसर में ह्लग्रीनाथॉनझ्रवॉक फॉर एनवायरमेंट का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण और हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 400 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पर्यावरण प्रेमी, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए।
कार्यक्रम की शुरूआत क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (आरसीसीएफ) स्मिता पंकज और प्रभागीय वन पदाधिकारी (डीएफओ) सबा आलम अंसारी की उपस्थिति में हुई। दोनों अधिकारियों ने प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। इसके बाद लगभग पांच किलोमीटर लंबी जागरूकता पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पदयात्रा में शामिल लोग हाथों में पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण और प्लास्टिक मुक्त जीवन से जुड़े संदेशों वाली तख्तियां लिए हुए थे। पूरे मार्ग में हरियाली बढ़ाने, जल संरक्षण करने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के नारे गूंजते रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। आरसीसीएफ स्मिता पंकज ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। वहीं डीएफओ सबा आलम अंसारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने के लिए जनजागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि वन विभाग लगातार पौधारोपण और संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम चला रहा है।

क्या प्यार में हैं धुरंधर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा?

मिस्ट्री मैन संग फोटो ने बढ़ाई हलचल

एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं. हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक नई फोटो शेयर की है, जिसमें वह किसी खास शख्स के बेहद करीब नजर आ रही हैं. इस तस्वीर के सामने आने के बाद से फैंस उनके रिलेशनशिप में होने के पक्के कयास लगा रहे हैं. क्रिस्टल डिसूजा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है.

मैं कम 'कांड' करूंगी...

तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा से तुलना पर माधुरी दीक्षित का मजेदार जवाब

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां बहन' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने को-एक्टर्स तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा के साथ मजेदार बातचीत की। बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि अगर फिल्म की कहानी दिल्ली में सेट होती, तो सबसे ज्यादा 'कांड' कौन करता। इस सवाल पर माधुरी ने हंसते हुए दिलचस्प जवाब दिया। माधुरी दीक्षित ने कहा कि उन्हें लगता है कि तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा उनसे ज्यादा 'कांड' कर सकती हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि दोनों कलाकार दिल्ली से जुड़ी हुई हैं और उन्हें यहां के माहौल के बारे में ज्यादा जानकारी है। वहीं, उन्हें दिल्ली के बारे में उतना पता नहीं है इसलिए उनके हिस्से में कम 'कांड' आएंगे। बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं।

सेलिना की बढ़ी मुश्किलें

अभिनेत्री सेलिना जेटली की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवादों के बीच उन्हें पति पीटर हाग और ससुर डीआई वोल्फगैंग जे. हाग ने दो अलग-अलग कानूनी नोटिस भेजे हैं। मुंबई स्थित विधि फर्म सेमवाल एंड कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ये नोटिस सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कई मीडिया माध्यमों में प्रसारित की जा रही उन बातों के संबंध में जारी किए गए हैं, जिन्हें हाग परिवार ने भ्रामक, असत्य और मानहानिकारक बताया है। जानकारी के अनुसार, पहला नोटिस पीटर हाग के पिता डीआई वोल्फगैंग जे. हाग की ओर से भेजा गया है, जबकि दूसरा नोटिस स्वयं पीटर हाग ने अपने और अपने तीन नाबालिग बच्चों के हितों की सुरक्षा के लिए जारी किया है। परिवार का कहना है कि पिछले कुछ समय से उनके खिलाफ सार्वजनिक मंचों पर कई ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं, जिनका वास्तविक तथ्यों से कोई संबंध नहीं है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि पीटर हाग और सेलिना जेटली के बीच वैवाहिक विवाद और बच्चों की कस्टडी से जुड़े मामले वर्तमान में ऑस्ट्रिया की अदालतों में विचाराधीन हैं। परिवार का आरोप है कि न्यायिक प्रक्रिया जारी रहने के बावजूद इस मामले से जुड़े कई बयान, इंटरव्यू और सोशल मीडिया पोस्ट सार्वजनिक रूप से साझा किए गए, जिनमें हाग फैमिली को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए। हाग फैमिली का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से परहेज किया, क्योंकि वे चाहते थे कि पारिवारिक और बच्चों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों का समाधान कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से हो। हालांकि, उनके अनुसार लगातार लग रहे सार्वजनिक आरोपों और मीडिया में उनके प्रसार के चलते अब कानूनी कदम उठाना जरूरी हो गया था। नोटिस में उन आरोपों का विशेष रूप से खंडन किया गया है, जिनमें पीटर हाग को हिंसक, अपमानजनक, भावनात्मक रूप से प्रताड़ित करने वाला या डराने-धमकाने वाला व्यक्ति बताया गया है। इसके अलावा, बच्चों को छिपाने, उनकी सोच को प्रभावित या ब्रेनवॉश करने, उत्पीड़न करने और धर्म से जुड़े कुछ आरोपों को भी परिवार ने पूरी तरह निराधार बताया है। हाग फैमिली ने सबसे अधिक चिंता बच्चों की प्राइवेसी और मानसिक स्थिति को लेकर जताई है। उनका कहना है कि लगातार सार्वजनिक चर्चाओं, तस्वीरों को पोस्ट करने और निजी मामलों को मीडिया में लाने से बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उनका मानना है कि बच्चों से जुड़े मामलों को संवेदनशीलता और गोपनीयता के साथ संभाला जाना चाहिए और सार्वजनिक बहस या मीडिया ट्रायल का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। नोटिस में यह भी कहा गया है कि कथित रूप से प्रसारित की गए कुछ कंटेंट मानहानि, निजता के उल्लंघन और न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की श्रेणी में आ सकते हैं। इसी आधार पर संबंधित पक्षों से आपत्तिजनक कंटेंट हटाने, ऐसे पोस्ट को रोकने, सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी करने और बिना शर्त माफी की मांग की गई है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सेमवाल एंड कंपनी की पार्टनर और सॉलिसिटर येशा शाह ने बताया, 'महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानून समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, लेकिन किसी भी शादी से संबंधित विवाद को बिना पुष्टि के आरोपों और सार्वजनिक अभियानों के जरिए मीडिया ट्रायल में बदलना उचित नहीं है।

मां के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाने का रश्मि देसाई को दुख, बोलीं-

'मुझे अपराधबोध होता है'

अभिनेत्री रश्मि देसाई हाल ही में राजीव खंडेलवाल के रियलिटी टीवी शो 'तुम हो ना -घर की सुपरस्टार' में अपनी मां रसीला देसाई के साथ नजर आईं। इस दौरान रश्मि ने मां-बेटी के रिश्ते और परिवार को समय न दे पाने पर बात कीं। इस दौरान वह बेहद भावुक नजर आईं। शो में बातचीत के दौरान रश्मि ने स्वीकार किया कि व्यस्त पेशेवर जिंदगी के कारण वह अपनी मां के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पातीं और इसे लेकर उन्हें अपराधबोध महसूस होता है। होस्ट राजीव खंडेलवाल ने रश्मि की मां से पूछा कि क्या उनकी बेटी घर में भी उतने ही नखरे करती हैं, जितना लोग अक्सर कलाकारों के बारे में सोचते हैं। इस पर रसीला देसाई ने मुस्कुराते हुए कहा कि रश्मि आमतौर पर ज्यादा नखरे नहीं करतीं, हालांकि कभी-कभी ऐसा हो जाता है। रसीला ने बताया कि काम की व्यस्तता के कारण रश्मि का ज्यादातर समय घर से बाहर ही गुजरता है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब दोनों अपने-अपने काम में इतने व्यस्त रहते थे कि बातचीत के लिए भी मुश्किल से समय मिल पाता था। अब रिटायरमेंट के बाद वह चाहती हैं कि बेटी उनके साथ अधिक समय बिताएं, ताकि दोनों बैठकर खुलकर बातें कर सकें। मां की यह बात सुनकर रश्मि भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का एहसास है कि वह अपनी मां को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही हैं। अभिनेत्री ने माना कि यह बात उन्हें अंदर ही अंदर परेशान करती है और इसके लिए वह खुद को दोषी भी मानती हैं।

रश्मि ने कहा कि उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख उनकी मां से ही मिली है। उन्होंने बचपन से अपनी मां को लगातार मेहनत करते देखा है। रसीला देसाई कम नींद में भी पूरे समर्पण के साथ काम करती थीं और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहती थीं। यही वजह है कि काम के प्रति वही अनुशासन और समर्पण रश्मि के स्वभाव का भी हिस्सा बन गया।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। जब वह 16 साल की थीं और उनका भाई 14 साल का था, तभी से दोनों को लगातार मेहनत करने की आदत पड़ गई थी। उन्होंने कहा कि उनके परिवार में खाली बैठने की बजाय कुछ न कुछ सीखने और आगे बढ़ने पर हमेशा जोर दिया जाता है।

रणवीर ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया

● लेकिन बात नहीं बनी:दावा- फरहान और जोया अख्तर अब धुरंधर एक्टर के साथ काम नहीं करना चाहते

रणवीर सिंह और फरहान अख्तर के बीच 'डॉन 3' को लेकर शुरू हुआ विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म से बाहर होने के बाद रणवीर ने फरहान के साथ रिश्ते सुधारने और भविष्य में किसी नए प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की इच्छा जताई थी, लेकिन उनकी कोशिश सफल नहीं हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणवीर सिंह ने फरहान अख्तर और उनके प्रोडक्शन पार्टनर रितेश सिधवानी को किसी नए प्रोजेक्ट पर साथ काम करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे दोनों पक्ष मिलकर चुनते। हालांकि, सूत्रों के अनुसार यह प्रस्ताव तुरंत ठुकरा दिया गया। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि फरहान अख्तर और उनकी बहन जोया अख्तर फिलहाल रणवीर के साथ दोबारा काम करने के इच्छुक नहीं हैं।

तान्या मित्तल को अमीर पति नहीं चाहिए

बोलीं- मेरा पार्टनर रोज मुझसे 10-15 लाख रुपए मांगे और मैं दे सकूं

इन्फ्लुएंसर और पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट तान्या मित्तल ने हाल ही में कहा कि वह अमीर पार्टनर नहीं चाहतीं। वह खुद इतनी आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहती हैं कि अपने पार्टनर की हर बड़ी पैसों से जुड़ी जरूरत को आसानी से पूरा कर सकें। इंटरव्यू में तान्या ने कहा, 'मैं जिससे प्यार करती हूं या जिसके साथ हूं, उसके लिए अपना सब कुछ देने को हमेशा तैयार रहती हूं। मैं ऐसा पहले भी कर चुकी हूं और आगे भी करूंगी। मैं नहीं चाहती कि मुझे कोई अमीर पति मिले। अगर मेरे पति के पास कुछ भी न हो, तब भी मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।' इन्फ्लुएंसर ने आगे कहा, 'मैं चाहती हूं कि वह रोज सुबह उठकर मुझसे 10-15 लाख रुपए मांगे और मेरी इतनी क्षमता हो कि मैं उसे हर दिन 10-15 लाख रुपए दे सकूं। मतलब, मैं ऐसी गर्लफ्रेंड/पत्नी बनना चाहती हूं।'

जल्द रियलिटी शो में तान्या दिखेंगी

तान्या मित्तल जल्द कॉमेडी और कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आएंगी। इसमें तान्या अपनी मां सुनीता मित्तल के साथ जोड़ी में दिखेंगी। हाल ही में 'मां है ना' के प्रमोशनल इवेंट्स के दौरान तान्या और स्प्लिट्सविला X 6 विनर गुल्लू उर्फ कुशल तंवर के बीच हल्की-फुल्की नोकझोंक देखने को मिली थी। जब गुल्लू के बारे में पूछा गया, तो तान्या ने कहा था कि दूसरों को हराने के लिए उनका खाना खराब करना गलत है। जब आप खुद पर कॉन्फिडेंट नहीं होते, तब आप दूसरों के साथ ऐसा करते हैं। तान्या ने यह भी कहा था कि वह उन लोगों को पसंद नहीं करतीं जो लाइन क्रॉस करते हैं। दोनों की बातचीत का वीडियो वायरल हो गया।

तान्या ने 'मेल ईगो' तोड़ने की बात कही

इसके बाद बिना किसी का नाम लिए तान्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'एक बार फिर पुरुषों के अहंकार को चुनौती देकर खुशी हुई। जलन हो रही है? मैं समझ सकती हूं। कुछ पुरुष मजबूत और आत्मनिर्भर महिलाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन कुछ सिर्फ उनके बारे में बातें ही कर पाते हैं।'

प्रीमियर लीग: लिवरपूल ने पूर्व बॉर्नमाउथ कोच एंडोनी इराओला को नया मैनेजर नियुक्त किया

एजेंसी

लिवरपूल : प्रीमियर लीग क्लब लिवरपूल ने पूर्व बॉर्नमाउथ मैनेजर एंडोनी इराओला दो साल के अनुबंध पर टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया। क्लब ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। 43 वर्षीय इराओला डच कोच आर्ने स्लॉट की जगह लेंगे। स्लॉट ने अपने पहले सीजन में लिवरपूल को प्रीमियर लीग खिताब दिलाया था, लेकिन दूसरे सीजन में अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरने के कारण उन्हें पद से हटा दिया गया। नियुक्ति के बाद इराओला ने आधिकारिक बयान में कहा, ह्लिवरपूल की ओर आकर्षित होने के लिए आपको बहुत ज्यादा कारणों की जरूरत नहीं होती। लिवरपूल, लिवरपूल है।लेकिन जाहिर तौर पर यहां का माहौल, समर्थक, क्लब, खिलाड़ी, शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों को कोचिंग देने का मौका और खिताब जीतने की लड़ाई में शामिल होने का अवसर – इससे अधिक आकर्षक कुछ नहीं हो सकता। ऐसा अवसर मिलना मुश्किल है। मैं शुरूआत को लेकर बेहद उत्साहित हूं।

स्पेन के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इराओला ने 2003 से 2015 तक एथलेटिक बिलबाओ के लिए खेला था। उन्होंने 2023 में बॉर्नमाउथ की कमान संभाली और क्लब के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया। 2024-25 सीजन में बॉर्नमाउथ ने 56 अंक हासिल किए और लीग में नौवां स्थान प्राप्त किया, जो उस समय क्लब का संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ शीर्ष डिवीजन प्रदर्शन था। इसके बाद इस सीजन में इराओला ने उस रिकॉर्ड को और बेहतर किया। उनकी अगुआई में बॉर्नमाउथ छठे स्थान पर रहा और टीम ने यूईएफए यूरोपा लीग के लिए क्वालिफाई किया। इराओला ने अप्रैल में क्लब छोड़ने की घोषणा कर दी थी। अब उनके सामने लिवरपूल जैसी बड़ी टीम को फिर से शीर्ष स्तर पर पहुंचाने की चुनौती होगी। पिछले सीजन में टीम पांचवें स्थान पर रही थी। साथ ही उन्हें मोहम्मद सलाह की कमी से भी निपटना होगा, जो पिछले एक दशक से टीम के प्रमुख गोल स्कोरर रहे हैं।

यह नियुक्ति इराओला के कोचिंग करियर का अब तक का सबसे बड़ा अवसर मानी जा रही है और यह उनके प्रबंधकीय कौशल की भी बड़ी परीक्षा होगी।

नॉर्वे शतरंज 2026: प्रज्ञानानंद ने ऑल-इंडियन मुकाबले में गुकेश को हराया, खिताबी दौड़ में बरकरार

एजेंसी

ओस्लो (नॉर्वे) : नॉर्वे शतरंज 2026 के नौवें दौर में शुक्रवार को रोमांच चरम पर पहुंच गया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब की दौड़ को अंतिम दौर तक जीवित रखा। वहीं महिलाओं की प्रतियोगिता में बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। ओपन वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आमार्गेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और अंतिम दौर से पहले अपनी बढ़त बनाए रखी। दिन का सबसे बड़ा परिणाम भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में देखने को मिला। काले मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंद ने गुकेश को पराजित किया। मध्य खेल (मिडल गेम) में दबाव बनाने के बाद प्रज्ञानानंद ने शानदार तरीके से मैच अपने नाम किया और पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के बाद प्रज्ञानानंद के 15 अंक हो गए हैं और वे अब शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो से केवल आधा अंक पीछे हैं। दूसरी ओर, फ्रांस के अलीरजा फिरोजजा भी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में कठिन स्थिति से वापसी की और बाद में आमार्गेडन में विन्सेंट कीमर को हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

रोम डायमंड लीग 2026: नोहा लाइल्स ने 100 मीटर रेस जीता, रुमेश पाथिरागे ने भाला फेंक में रचा इतिहास

एजेंसी

रोम : ओलंपिक चैंपियन नोहा लाइल्स ने गुरुवार को रोम डायमंड लीग 2026 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने भाला फेंक में ऐतिहासिक प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। लाइल्स ने 100 मीटर दौड़ 9.88 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण स्थान हासिल किया। कैमरून के इमैनुएल एसेमे दूसरे और बोत्सवाना के लेट्सले टेबोगो तीसरे स्थान पर रहे। इटली के पूर्व ओलंपिक चैंपियन मार्सेल जैकब्स पांचवें स्थान पर रहे।

पाथिरागे ने बनाया नया इतिहास

भाला फेंक स्पर्धा में श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने 92.62 मीटर का थ्रो कर प्रतियोगिता जीत ली और इस स्पर्धा की सर्वकालिक सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने मार्च में बनाए अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.37 मीटर को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि वे अभी भी महान चेक खिलाड़ी यान जेलेज्नी के 98.48 मीटर विश्व रिकॉर्ड से पीछे हैं।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स दूसरे और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन तीसरे स्थान पर रहे।

महिलाओं की 200 मीटर में जूलियन अल्फ्रेड ने पलटा मुकाबला

महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में जूलियन अल्फ्रेड ने विश्व चैंपियन मेलिसा जेफरसन-वूडेन को हराते हुए पहला स्थान हासिल किया।

अल्फ्रेड ने 21.93 सेकंड में दौड़ पूरी की, जबकि जेफरसन-वूडेन दूसरे और अनाविया बैटल तीसरे स्थान पर रहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी मुख्यमंत्री योगी को जन्मदिन की बधाई, बधाइयों का तांता

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री आमित शाह समेत देश के भर के अन्य नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की शुभकामनाएं। राज्य की प्रगति के लिए उनका कार्य उल्लेखनीय है। मुख्यमंत्री योगी ने हमेशा आम लोगों के जीवन में सुधार की दिशा में कार्य किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके लंबे एवं स्वथ जीवन की कामना करता हूं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर कहा कि उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एवं कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके

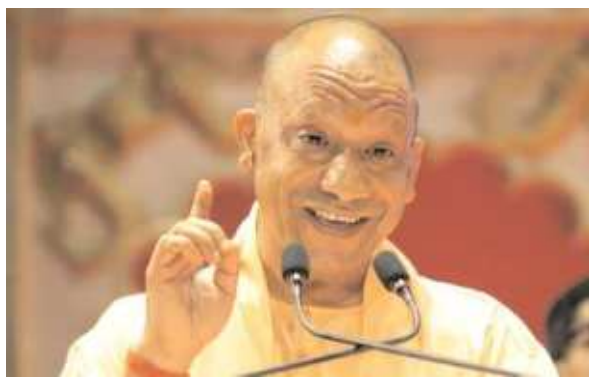

नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सुशासन, सुरक्षा, विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। उनके दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश प्रगति और समृद्धि के पथ पर तेज गति से अग्रसर है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु तथा जनसेवा के लिए निरंतर ऊर्जा और शक्ति प्रदान करें। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार सुशासन और जनकल्याण के नए मापदंड स्थापित कर रही है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना करता हूं।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह समेत उप्र सरकार के मंत्रियों के साथ ही प्रदेश और देश भर के अन्य नेताओं ने मुख्यमंत्री योगी को एक्स पर पोस्ट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीघार्यु की कामना की है। उल्लेखनीय है पांच जून 1972 को उत्तराखण्ड के पौड़ी गढ़वाल जिले में जन्मे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने जन्मदिन पर कोई आयोजन नहीं करते। एक कर्मयोगी की भांति अपनी जिम्मेदारियां निभाते नजर आते हैं। हालांकि उनके समर्थक धार्मिक आयोजन कर उनके दीघार्यु की कामना करते हैं। राजधानी लखनऊ से लेकर गोरखपुर समेत अन्य जिलों में कुछ जगहों पर पौधरोपण किया गया तो कुछ स्थानों पर भण्डारे का आयोजन हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी के जन्मदिवस पर वाराणसी के युवाओं ने किया रक्तदान

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिवस पर शुक्रवार को काशी के युवाओं ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। इस अवसर पर हिन्दू युवा वाहिनी की ओर से सेवा और समर्पण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी के जन्मदिन पर त्रिशक्ति सेवा फाउंडेशन और हिन्दू वाहिनी, वाराणसी की ओर से कबीरचौरा स्थित राजकीय महिला अस्पताल के एमसीएच विंग में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में वाहिनी के वाराणसी मंडल प्रभारी अम्बरीश सिंह 'भोला' के नेतृत्व में कार्यकर्ता उत्साह से रक्तदान कर रहे हैं। अम्बरीश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन प्रत्येक वर्ष सेवा कार्यों के माध्यम से मनाया जाता है। इस बार मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर 500 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शिविर में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे है। जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन किसी एक संगठन तक सीमित नहीं है,बल्कि पूरे देश में उनके समर्थक और शुभचिंतक सेवा कार्यों के माध्यम से इसे मनाते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रति सेवा भाव को मजबूत करना और जरूरतमंदों की मदद करना है।

मध्य प्रदेश में प्री-मानसून का जोर, 45 जिलों में आज भी आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून की आधिकारिक दस्तक से पहले ही प्री-मानसून गतिविधियां पूरे प्रदेश में जोर पकड़ चुकी हैं। गुरुवार शाम राजधानी भोपाल सहित कई जिलों में तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया। भोपाल में करीब 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी के कारण लगभग 80 पेड़ और उनकी टहनियां सड़कों पर गिर गईं, जिससे कई प्रमुख मार्गों पर यातायात बाधित रहा और लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी दर्ज की गई।

वहीं, देवास जिले में बारिश के बीच बड़ा हादसा टल गया। मसुरिया-भंडारिया मार्ग पर एक कार रपटे से बह गई। कार में सवार चार लोगों ने समय रहते बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। झाबुआ में शुक्रवार सुबह तेज बारिश हुई, जबकि सीहोर, रायसेन और अन्य जिलों में भी मौसम ने करवट ली। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है।

45 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने शुक्रवार को भोपाल, इंदौर सहित प्रदेश के करीब 45 जिलों में आंधी और बारिश की संभावना जताई है। कई क्षेत्रों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, श्योपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर और दमोह जिलों के लिए तेज आंधी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस : नागरिक सुरक्षा विभाग ने पौधे रोप कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एजेंसी

प्रयागराज : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान के तहत प्रयागराज में शुक्रवार को नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नोडल प्रमुख सचिव सहकारिता, उत्तर प्रदेश शासन तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, नागरिक सुरक्षा के वार्डन एवं स्वयंसेवकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शुक्रवार को जन-जागरूकता के प्रतीक शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क में आयोजित कार्यक्रम में

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं समाजसेवी लोगों ने पौधे लगाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, उनके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित वातावरण उपलब्ध कराने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधरोपण अभियान से जुड़ना चाहिए। ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान की भावना को भी मजबूत करता है। कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, वार्डनों, स्वयंसेवकों तथा समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। सभी ने हरित प्रयागराज और स्वच्छ पर्यावरण के संकल्प को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए जनसामान्य से भी अधिकाधिक पौधरोपण करने की अपील की। पौधरोपण कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और जनभागीदारी का संदेश देते हुए लोगों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

वाराणसी में जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण कर दिया एक पेड़ मां के नाम का संदेश

वाराणसी : वाराणसी में जनप्रतिनिधियों ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर रोहनिया विधानसभा के अमरा खैरा में राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षा रोपण किया। राज्य मंत्री हंसराज ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए छोटे-छोटे पौधों को लगाकर कल एक हरा भरा समाज बनाने के लिए सभी को एक पेड़ मां के नाम लगाना चाहिए। दक्षिणी विधानसभा में विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने पौधरोपण करते हुए सभी को पर्यावरण दिवस की शुभ कामनाएँ दी है। उन्होंने कहा कि, आइए हम सब वृक्ष लगाएँ। वृक्षो रक्षति रक्षित, तस्मात रक्षतु वृक्षक। एक ही पेड़ पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त है, हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए एक पेड़ आवश्यक लगाए। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में विधायकों ने पौधरोपण किया तो कैंट विधानसभा क्षेत्र में विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने एक पेड़ लगाया।

हिमाचल में 75 से कम छात्र संख्या वाले 10 कॉलेज बड़े संस्थानों में समाहित, छात्रों को मिलेगा 5 हजार रुपए महीना

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश सरकार ने कम छात्र संख्या वाले सरकारी कॉलेजों के पुनर्गठन की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य के 75 से कम छात्र संख्या वाले 10 सरकारी महाविद्यालयों को अन्य बड़े कॉलेजों में समाहित करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

सरकार का कहना है कि जिन कॉलेजों में छात्र संख्या लगातार घट रही थी, वहां उपलब्ध शिक्षकों, भवनों और अन्य संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा था। ऐसे में अब इन संस्थानों को बड़े कॉलेजों के साथ जोड़कर शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की कोशिश की जा रही है। विलय की सूची में राजकीय महाविद्यालय टिक्कर, राजकीय डिग्री कॉलेज भलेई, राजकीय डिग्री कॉलेज कुकुमसेरी, राजकीय डिग्री कॉलेज कुपवी, आर्यभट्ट राजकीय डिग्री कॉलेज संधोल, राजकीय डिग्री कॉलेज मुल्थान, राजकीय डिग्री कॉलेज जैनगर, राजकीय डिग्री कॉलेज ननखड़ी, राजकीय डिग्री कॉलेज रोनहाट और राजकीय डिग्री कॉलेज कोटली शामिल हैं। इन 10 कॉलेजों में कुल 448 छात्र पढ़ रहे हैं। इनमें टिक्कर और भलेई में केवल 8-8 छात्र हैं, जबकि सबसे अधिक 70 छात्र रोनहाट कॉलेज में दर्ज किए गए हैं। सरकार का मानना है कि कम छात्र संख्या वाले कॉलेजों को बड़े संस्थानों से जोड़ने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल और अधिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

सरकार ने इस फैसले के साथ छात्रों को आर्थिक राहत देने की भी घोषणा की है। इन 10 कॉलेजों में प्रथम और द्वितीय वर्ष के कुल 319 छात्र ऐसे हैं जिन्हें अब दूसरे कॉलेजों में जाकर पढ़ाई करनी होगी। ऐसे विद्यार्थियों को 5 हजार रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाएगा। सरकार का तर्क है कि कॉलेज बदलने के कारण छात्रों पर आने-जाने, रहने या अन्य खर्चों का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है, इसलिए यह सहायता दी जा रही है। इस पर सरकार को हर महीने 15 लाख 95 हजार रुपए और सालाना करीब 1 करोड़ 91 लाख 40 हजार रुपए खर्च करने होंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा हर पोलिंग बूथ पर लगाएगी 25 पौधे : डॉ राजीव बिंदल

एजेंसी

नाहन : आज विश्व पर्यावरण दिवस है और इस दिवस पर देश भर में अनेक आयोजन किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज सिरमौर जिला भाजपा ने जिला मुख्यालय नाहन में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने ऐतिहासिक रानी ताल पार्क में नीम और अर्जुन का पौधा लगाकर की। इस अवसर पर रानीताल पार्क में अनेक प्रकार के औषधीय पौधे लगाए गए। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा कि पर्यावरण हम सबके लिए अति महत्वपूर्ण है और इसके सरंक्षण के लिए सभी को आगे आने की जरूरत है। प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर पहले से ही एक बूटा माँ के नाम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर भाजपा प्रदेश में हर एक पोलिंग बूथ पर 25 पौधे लगाएगी। प्रदेश में 8 हजार पोलिंग बूथ हैं जिसके माध्यम से 2 लाख पौधे आरोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जुलाई मास में व्यापक पौधरोपण किया जायेगा क्योंकि जून में गर्मी अधिक होती है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा कि 12 जून को केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा जगत प्रकाश नड्डा शिमला आएंगे और इस अवसर पर 12 और 13 जून को 5 कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

शुरूआती कारोबार में उतार चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार चढ़ाव के बीच मजबूती के साथ ट्रेड करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। राहत की बात यही रही की बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद ये दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचडीएफसी लाइफ, अदानी एंटरप्राइजेज, बजाज फाइनेंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और टेक

महिंद्रा के शेयर 2.54 प्रतिशत से लेकर 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, विप्रो, ट्रेंट लिमिटेड, टाटा स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और कोल इंडिया के शेयर 3.97 प्रतिशत से लेकर 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,711 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,856 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 855 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 269.93 अंक की मजबूती के साथ 74,629.94 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स उछल कर 74,717.57 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 74,479.87 अंक के स्तर तक गोता भी लगाया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 150.53 अंक की बढ़त के साथ 74,510.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 62.40 अंक उछल कर 23,478.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल ऊपर नीचे होने लगी। लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी 23,516.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर यह सूचकांक 23,439.15 अंक के स्तर तक गिर भी गया। राहत की बात यही रही कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद यह सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 32.55 अंक की मजबूती के साथ 23,449.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 13.84 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ 74,360.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 10.95 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली उछाल के साथ 23,416.55 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

फर्जी शस्त्र लाइसेंस गिरोह पर एसटीएफ का शिकंजा, तीन गिरफ्तार

देहरादून/काशीपुर : स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और ऊधमसिंह नगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए काशीपुर क्षेत्र से तीन लोगों को फर्जी शस्त्र लाइसेंस, तीन सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और 65 कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तीन कूटरचित शस्त्र लाइसेंस भी बरामद किए गए हैं। एसटीएफ पिछले लगभग दो माह से बाहरी राज्यों से उत्तराखंड में स्थानांतरित किए गए शस्त्र लाइसेंसों की गहन जांच की जा रही है। जांच के दौरान सामने आया कि नौशाद हुसैन सहित 10 लोगों ने उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से जारी दर्शाए गए लाइसेंसों के आधार पर काशीपुर स्थित गन हाउस से हथियार खरीदे थे। दस्तावेजों के सत्यापन के लिए शाहजहांपुर जिला प्रशासन से संपर्क किया गया, जहां जांच में खुलासा हुआ कि संबंधित व्यक्तियों के नाम पर कोई शस्त्र लाइसेंस जारी ही नहीं किए गए थे। जिन लाइसेंस नंबरों का उपयोग किया गया, वे अन्य लोगों के नाम पर जारी पाए गए। इसके बाद काशीपुर कोतवाली में 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। मुकदमे की विवेचना के दौरान एसटीएफ और स्थानीय पुलिस ने गुरूवार की देर रात संयुक्त अभियान चलाकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नौशाद हुसैन, जतिन कांडपाल और अजीम शामिल हैं। इनके कब्जे से तीन अवैध पिस्टल, 65 कारतूस और तीन फर्जी लाइसेंस बरामद किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि राज्य में बाहरी राज्यों से स्थानांतरित होकर आए हजारों शस्त्र लाइसेंसों का सत्यापन अभियान जारी है। जांच में फजीर्वाड़ा पाए जाने पर लगातार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि फर्जी शस्त्र लाइसेंस राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक शांति के लिए गंभीर खतरा है तथा ऐसे मामलों में पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। एसटीएफ ने आमजन से भी अपील की है कि फर्जी या संदिग्ध शस्त्र लाइसेंस संबंधी किसी भी जानकारी को तत्काल पुलिस के साथ साझा करें। सूचनाकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

शादी के आठ महीने बाद संदिग्ध हालात में मिली नवविवाहिता का शव, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली : पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर गांव स्थित एक मकान में 21 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला का शव घर की चौथी मंजिल पर सोफे पर पड़ा मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस, फोरेंसिक टीम और कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।
पुलिस के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे गाजीपुर गांव की गोपाल गली स्थित एक मकान में महिला के मृत मिलने की सूचना पीसीआर कॉल के माध्यम से थाना पांडव नगर औद्योगिक क्षेत्र (पीआईए) को मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान मृतका की पहचान खुशी (21) के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि खुशी की शादी अक्टूबर 2025 में 26 वर्षीय तरुण से हुई थी। घटना के समय घर में मृतका का देवर सुमित (23) भी मौजूद था। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) और क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और कई महत्वपूर्ण साक्ष्य व नमूने एकत्र कर वैज्ञानिक जांच के लिए सुरक्षित कर लिए हैं। कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने भी मौके का निरीक्षण कर आवश्यक पूछताछ की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं और पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच में जुटी हुई है।

सीवर लाइन कार्य के दौरान दीवार गिरी, मजदूर की मौत, वहीं ग्रेटर कैलाश एक आग लगने की घटना में दो दमकलकर्मी झुलसे

नई दिल्ली : लोधी कॉलोनी में गुरुवार रात सीवर पाइपलाइन बिछाने के दौरान एक दीवार भरभराकर गिर गई, जिससे तीन मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं ग्रेटर कैलाश-1 स्थित टाटा कम्युनिकेशंस के कार्यालय में देर रात आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के दौरान दो दमकलकर्मी भी झुलस गए।
जानकारी के अनुसार, रात करीब 1:18 बजे लोधी होटल के निकट सीवर पाइपलाइन का कार्य चल रहा था। इसी दौरान एक बाउंड्री वॉल अचानक ढह गई और वहां काम कर रहे तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दो मजदूरों को बाहर निकाल लिया और उन्हें तत्काल एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तीसरे मजदूर को मलबे से बाहर निकाला।
घायलों की पहचान 48 वर्षीय राजेश और 20 वर्षीय उमर के रूप में हुई है। दोनों का एम्स ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। वहीं 55 वर्षीय देवेंद्र को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।
वहीं उधर, रात करीब 2:47 बजे ग्रेटर कैलाश-1 स्थित टाटा कम्युनिकेशंस कार्यालय में आग लगने की सूचना मिली। दमकल विभाग ने तत्काल कई गाड़ियों को मौके पर भेजा। आग की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन भी बुलाए गए। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 5:30 बजे आग पर काबू पा लिया गया, जबकि सुबह 7:05 बजे ऑपरेशन पूरी तरह समाप्त घोषित किया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आग इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित बैटरी रूम में लगी थी। आग से करीब 200 वर्ग फुट क्षेत्र प्रभावित हुआ। आग बुझाने के दौरान मथुरा रोड दमकल स्टेशन के दो दमकलकर्मी संदीप और सुरेश के हाथ झुलस गए, जिन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, इमारत में ग्राउंड प्लस पांच मंजिला है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

लखनऊ में खड़ी कार पर अज्ञात बदमाशों ने की फायरिंग

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्रान्तर्गत तहसील सदर अण्डरपास के निकट सड़क किनारे खड़ी स्कॉर्पियो पर अज्ञात व्यक्तियों ने गुरुवार देर रात ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। एडीसीपी पूर्वी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारम्भिक जांच में ज्ञात हुआ कि घटना के समय वाहन में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। वाहन में सवार तीन युवक शुभम त्रिपाठी, विजय यादव एवं सोनू यादव वारदात से पहले वाहन से उतरकर अण्डरपास के ऊपर गए हुए थे। इसी दौरान अज्ञात व्यक्तियों ने वाहन को लक्ष्य बनाकर फायरिंग की। घटनास्थल पर खड़ी स्कॉर्पियो वाहन में कई राउण्ड फायर लगने के निशान पाए गए हैं और मौके से कुछ खोखा कारतूस बरामद किए गए। घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज का परीक्षण किया जा रहा है। घटना के संबंध में अन्य आवश्यक विधिक एवं विवेचनात्मक कार्रवाई प्रचलित है। थाना प्रभारी गौरव बाजपेई ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है।

तमिलनाडु के नेता अन्नामलाई ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता छोड़ी, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मंजूर किया इस्तीफा

नई दिल्ली : तमिलनाडु के नेता और पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पूरी तरह नाता तोड़ लिया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने आज जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, अध्यक्ष नितिन नवीन ने के. अन्नामलाई की पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से दिया गया इस्तीफा मंजूर कर लिया है। अन्नामलाई आज दोपहर बड़ा ऐलान कर सकते हैं। उन्होंने कल एक्स प्लेटफॉर्म पर कहा था कि वह शुक्रवार को 12 बजे अपने दिल की बात रखेंगे। माना जा रहा है कि अन्नामलाई अलग रास्ता चुनते हुए अपनी पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वह कुछ समय से भाजपा से नाराज चल रहे थे। एआईएडीएमके के साथ सीट बंटवारे से असहज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अन्नालमाई सोमवार को दिल्ली आये थे। मंगलवार को उन्होंने अध्यक्ष नितिन नवीन और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की । नितिन नवीन को उन्होंने पांच पेज का इस्तीफा सौंपा। बुधवार को वह बातचीत के इंतजार में रहे। पार्टी की तरफ से उन्हें कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिला था ।

घरेलू विवाद में महिला ने किया आत्महत्या का प्रयास, खाया कीटनाशक, समय पर खाना नहीं बनाने को लेकर हुआ विवाद

गढ़वा: जिले के डंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरटा गांव में एक घरेलू विवाद के कारण महिला द्वारा आत्महत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। परिजनों द्वारा लगाई गई डांट-फटकार से नाराज होकर एक महिला ने कीटनाशक खा लिया।

गुस्से में उठाया आत्मघाती कदम : जानकारी के अनुसार, कोरटा गांव निवासी शिवपाल चौधरी की पत्नी रीना देवी का घर के अन्य सदस्यों के साथ विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि घर में समय पर खाना नहीं बनने के कारण परिजनों ने रीना को डांट-फटकार लगा दी थी। इसी बात से वह इस कदर आक्रोशित हो गई कि उसने गुस्से में आकर घर में रखा कीटनाशक निगल लिया। कीटनाशक खाने के कुछ देर बाद ही रीना देवी की तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। जब उसकी हालत खराब होने लगी, तब परिजनों को घटना की जानकारी हुई।

अस्पताल में कराया गया भर्ती : स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिवार वालों ने बिना समय गंवाए उसे आनन-फानन में गढ़वा सदर अस्पताल पहुंचाया। सदर अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने तुरंत महिला का प्राथमिक उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार, समय पर अस्पताल पहुंच जाने और त्वरित इलाज मिलने से महिला की स्थिति में अब काफी सुधार हुआ है। डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि उपचार के बाद रीना देवी अब पूरी तरह से खतरे से बाहर है।

एक साल में टूटी पुलिया, ग्रामीणों ने खुद बनाया बांस का सहारा, बेलकीदुरा मार्ग पर बढ़ी परेशानी

- ग्रामीणों ने प्रशासन से की पुलिया के मरमम्त की मांग

रनिया (खूंटी): विकास कार्यों और ग्रामीण संपर्क मार्गों को लेकर किए जाने वाले दावों के बीच रनिया प्रखंड के जाममोड़-बेलकीदुरा मार्ग पर स्थित जरागुटु गांव के समीप टूटी पुलिया आज भी स्थानीय लोगों की मुश्किलों का कारण बनी हुई है। 26 जुलाई 2025 को हुई भारी बारिश में क्षतिग्रस्त हुई इस पुलिया का एक वर्ष बाद भी पुनर्निर्माण नहीं हो सका है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। यह पुलिया रनिया प्रखंड के बेलकीदुरा क्षेत्र तथा पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुदड़ी प्रखंड के लगभग एक दर्जन गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। पुलिया के टूट जाने के बाद से ग्रामीणों को प्रखंड मुख्यालय पहुंचने, दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी करने, स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने तथा विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार समस्या को जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समक्ष उठाया गया, लेकिन अब तक पुलिया निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। परिणामस्वरूप ग्रामीणों ने स्वयं श्रमदान कर बांस और लकड़ी की सहायता से अस्थायी पुलिया तैयार की है, ताकि आवागमन पूरी तरह बाधित न हो।

हालांकि इस अस्थायी व्यवस्था से मोटरसाइकिल, साइकिल और छोटे वाहन किसी तरह गुजर पा रहे हैं, लेकिन बस, ट्रक और अन्य भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद है। इससे किसानों, व्यापारियों और आम लोगों को अतिरिक्त आर्थिक और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात का मौसम फिर शुरू हो चुका है और यदि शीघ्र स्थायी पुलिया का निर्माण नहीं कराया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। एक वर्ष बीत जाने के बावजूद समस्या के समाधान की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं होने से क्षेत्र के लोगों में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से अविलंब नई पुलिया निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है, ताकि वर्षों से चली आ रही इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके और क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सके।

कुंदा पुलिस की अफीम तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

12 लाख के अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

चतरा: जिला के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कुंदा थाना पुलिस ने क्षेत्र के सिकिदाग गांव में छापामारी कर 2 किलो 132 ग्राम अवैध अफीम बरामद किया। साथ ही एक तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए सिमरिया अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी शुभम भाऊ साहेब ने बताया कि अफीम के साथ तस्कर रविन्द्र रविदास उर्फ रविन्द रविदास (35 वर्ष) पिता सुरेश मोची को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्कर के घर पर व्यापार करने के उद्देश्य से अवैध अफीम रखा गया था। सूचना के सत्यापन के पश्चात अंचलाधिकारी कुन्दा के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया । छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 2.132 किलो अवैध अफीम को जप्त किया गया है। उन्होंने बताया कि बरामद अफीम की अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 12 लाख रु है।इस संदर्भ में कुन्दा थाना कांड सं0-38/2026, दिनांक-03.06.2026, धारा-15/18/27/29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रीनाथॉन का आयोजन

संवाददाता

जमशेदपुर: विश्व पर्यावरण दिवस पर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, जमशेदपुर वन प्रमंडल ने 5 जून को शहर में ग्रीनाथॉन- वॉक फॉर एनवायरमेंट का आयोजन किया। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित जीवनशैली अपनाने और प्रकृति के प्रति जागरूकता फैलाना था। सोनारी स्थित वन भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और पर्यावरण प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

पेड़ लगाने और प्लास्टिक कम करने की अपील : आरसीसीएफ स्मिता पंकज ने बताया कि प्रतिभागियों ने एक प्रेरणादायक पदयात्रा निकालकर आम लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की अपील की। यह मार्च पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक था। हर साल 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस वैश्विक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने का माध्यम है। जमशेदपुर में आयोजित इस ग्रीनाथॉन ने इसी भावना को स्थानीय स्तर पर जीवंत किया।

जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक : कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिताएं और विशेषज्ञों की प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं। इनका उद्देश्य लोगों के व्यवहार और सोच में सकारात्मक बदलाव लाना था। झारखंड सरकार और वन विभाग लगातार वनीकरण, जल संरक्षण और वन्यजीव रक्षा के प्रयास कर रहे हैं। जमशेदपुर वन प्रमंडल का यह आयोजन इसी श्रृंखला का हिस्सा है, जो भविष्य में भी निवासियों को जागरूक और सक्रिय भागीदार बनाए रखेगा।

सरायकेला खरसावां: विश्व पर्यावरण दिवस पर पुनीबुरी गांव में जागरूकता और पौधरोपण कार्यक्रम

सरायकेला-खरसावां: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकास भारती बिशुनपुर द्वारा संचालित नाबार्ड वित्तपोषित वाडी परियोजना के तहत सरायकेला खरसावां जिले के कुचाई प्रखंड के पुनीबुरी गांव में जागरूकता और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन और स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण में ग्रामीणों की सहभागिता को बढ़ावा देना था।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया गया जागरूक : कार्यक्रम में किसानों, वाडी परियोजना के लाभार्थियों, ग्राम प्रतिनिधियों, महिला समूहों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर परियोजना टीम ने पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी देते हुए वनों के संरक्षण, जल स्त्रोतों के संवर्धन, प्रदूषण नियंत्रण तथा पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डाला।

बेहतर भविष्य के लिए हरित सोच अपनाने का संदेश : प्रतिभागियों को बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण केवल प्रकृति की सुरक्षा का विषय नहीं है, बल्कि यह सतत आजीविका, कृषि उत्पादन और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

सामूहिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प : कार्यक्रम के दौरान सामूहिक रूप से पौधारोपण भी किया गया और सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है और समुदाय को प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रेरणा मिलती है।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी भीषण आग

घर में रखा टेंट हाउस का सारा सामान जलकर खाक,लाखों का नुकसान

पीड़ित ने जिला प्रशासन से की मुआवजे की मांग

संवाददाता

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड के वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के मँझगांवा सरदम गांव में गुरुवार को विशुन साव के पुत्र उमा प्रसाद साव के घर में शॉट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग से क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश शुरू करने के साथ ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को भी इसकी जानकारी दी। आग की लपेटे इतनी तेज और भयावह थी।लोगों की हिम्मत कांप उठी। हालांकि कुछ लोगों ने बाल्टी से पानी फेंककर आग बुझाने लगे। लेकिन, आग की लपटें धीरे-धीरे तेज होती चली

गयी। इधर जानकारी मिलते ही वशिष्ठ नगर जोरी थाना घटना स्थल पर पहुंची और तुरंत इसकी जानकारी दमकल विभाग की टीम को दी।सूचना पर करीब 1 घंटे के बाद दमकल कर्मियों की टीम वहां पहुंच गई।आग बुझाने के लिए एक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी वहां पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। तब तक घर मे रखा सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। गनीमत रही कि जिस वक्त घर में आग लगी थी उस समय घर के सभी सदस्य घर से बाहर गए थे। पीड़ित विशुन साव ने बताया कि उसका टेंट है, इसी से उसका आजीविका चलता था। इस आगजनी घटना में घर में रखे सारा टेंट का सामान जलकर खाक हो गया। उन्हें करीब 2 लाख का नुकसान हुआ है।आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है।हालांकि, समय पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी के पहुंच जाने से आसपास के घर सुरक्षित रह गए। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। इधर पीड़ित परिवार ने आपदा विभाग से मुआवजा की मांग की है, उन्होंने कहा कि मेरी स्थिति दायनीय हो चुकी है।परिवार के भरण पोषण का एक मात्र साधन छीन चुका है। इस घटना से मेरे परिवार में भूख मरने की नौबत आ गयी है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि जांच कर उचित मुआवजा मुहैया करवाया जाए जिससे अपना रोजगार चालू कर अपने परिवार का भरण-पोषण स्थापित कर सकें।

लमटा में सुंडी समाज की बैठक संपन्न

एक सप्ताह के भीतर नई प्रखंड कमेटी के गठन का निर्णय

चतरा: लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के लमटा स्थित सामाजिक भवन में रविवार को सुंडी समाज की प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई।जिसकी अध्यक्षता बैजनाथ साहू ने किया। वहीं संचालन का कार्य शिक्षक रूपलाल साहू ने किया।बैठक में समाज को संगठित एवं मजबूत बनाने के साथ-साथ प्रखंड स्तरीय नई समिति के गठन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी एक सप्ताह के भीतर लावालौंग प्रखंड स्तर की नई कमेटी का गठन कर लिया जाएगा।बैठक में समाज के उत्थान से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।वक्ताओं ने समाज के बच्चों एवं युवाओं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने पर बल दिया।साथ ही दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने और विवाह समारोहों को सादगीपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का संकल्प लिया गया।समाज की एकजुटता बनाए रखने,आपसी मतभेद भुलाकर जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आने का भी आह्वान किया गया।बैठक में लमटा से विनय कुमार,रंजीत प्रसाद,शिक्षक सह समाजसेवी राकेश प्रसाद,पच्चू प्रसाद,विनोद प्रसाद,वीरेंद्र प्रसाद वहीं आतमपुर से सुनील कुमार,गणेश प्रसाद, शिक्षक सह समाजसेवी नंदकिशोर प्रसाद,डॉ. सुनील प्रसाद,पंकज प्रसाद,मंटू कुमार, राहुल प्रसाद,उदय प्रसाद,निलेश प्रसाद एवं उमेश प्रसाद और शिवराजपुर से अवध प्रसाद के साथ साथ रखेद से नवीन प्रसाद और राहुल प्रसाद उपस्थित रहे। इसके अलावा दिन्नू प्रसाद,मुकेश प्रसाद समेत समाज के कई प्रबुद्ध एवं सम्मानित लोगों ने बैठक में भाग लिया।

कुआं का पानी पीने को विवश हैं रोगड़ा गांव के लोग खराब पड़े चापाकल और जलमीनार से बढ़ी परेशानी

,3,4,बॉटम

रनिया (खूंटी): आजादी के दशकों बाद भी खूंटी जिले के कई ग्रामीण इलाके मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रनिया प्रखंड की खटखुरा पंचायत स्थित रोगड़ा गांव इसकी एक बानगी है, जहां भीषण गर्मी के बीच सैकड़ों ग्रामीण पेयजल के लिए एक पुराने कुएं पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्वजों द्वारा वर्षों पहले खोदा गया यह कुआं आज भी पूरे गांव की प्यास बुझाने का एकमात्र सहारा बना हुआ है। गांव के महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग इसी कुएं के पानी का उपयोग पीने, खाना बनाने, नहाने, कपड़े धोने और बर्तन साफ करने जैसे दैनिक कार्यों के लिए कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में पेयजल व्यवस्था की स्थिति बेहद दयनीय है और लंबे समय से इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में सड़क से बहकर आने वाला पानी सीधे कुएं में प्रवेश कर जाता है, जिससे पानी दूषित हो जाता है। दूषित पानी पीने से जलजनित बीमारियों का खतरा बना रहता है, लेकिन विकल्प के अभाव में लोगों को उसी पानी का उपयोग करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार इस समस्या की जानकारी जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों को दी गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पहले से कई चापाकल और सोलर आधारित जलमीनार स्थापित किए गए थे, ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। लेकिन वर्तमान में अधिकांश चापाकल और जलमीनार खराब पड़े हुए हैं। रखरखाव के अभाव में ये योजनाएं बंद हो गई हैं, जिससे ग्रामीणों को उनका लाभ नहीं मिल रहा है।

गांव की महिलाओं ने बताया कि गर्मी के दिनों में कुएं का जलस्तर भी कम होने लगता है, जिसके कारण पानी भरने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार सुबह और शाम के समय पानी लेने वालों की लंबी कतार लग जाती है। इससे ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ जाती है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पेयजल जैसी बुनियादी समस्या के समाधान के प्रति प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता साफ दिखाई दे रही है। भीषण गर्मी के दौरान भी खराब पड़े जलस्त्रोतों की मरम्मत नहीं कराई जा रही है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से अविलंब खराब चापाकलों और सोलर जलमीनारों की मरम्मत कराने तथा गांव में स्वच्छ पेयजल की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में ग्रामीणों को और गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन शीघ्र पहल कर रोगड़ा गांव में पेयजल संकट का समाधान करे, ताकि लोगों को दूषित कुएं के पानी पर निर्भर न रहना पड़े और उन्हें स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके।